छत्तीसगढ़ में ठिठुरनः मेनपाट में जमी ओस

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
सपना देखो और उसे पूरा करने कड़ी मेहनत और पूरी इच्छा शक्ति लगा दो...।

वर्ष-16, अंक-36 | पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी विक्रम संवत् 2082 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 12 से 18 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य-3/-

5 राज्य, 1 यूटी में एसआईआर की समयसीमा बढ़ीःएमपी-छत्तीसगढ़ में 18, यूपी में 26 दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे, पहले 11 दिसंबर लास्ट डेट थी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR यानी वोटर वेरिफिकेशन) की समयसीमा बढ़ा दी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार में 18 दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, गुजरात और तमिलनाडु में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। पहले फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी।

बाकी राज्यों का ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर को पब्लिश होगा

आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को पब्लिश की जाएगी। केरल में पहले ही अखिरी तारीख 18 दिसंबर कर दी गई थी जिसका ड्राफ्ट 23 दिसंबर को पब्लिश होगा।

30 नवंबर को एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई गई थी

चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को एसआईआर की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

पॉलिटिकल पार्टियों को मिलेगी मृत मतदाताओं की सूची निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने से पहले मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित वोटरों की सूची दी जाएगी। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 16 दिसंबर को जारी की जाएगी।

इससे पहले आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को हर बूथ के हिसाब से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट वोटरों की सूची तैयार कर बूथ एजेंटों को देने का निर्देश दिया है। ये वे वोटर हैं जिनसे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तीन बार कोशिश के बावजूद संपर्क नहीं कर सके। बिहार में हुई एसआईआर प्रक्रिया के दौरान भी यही तरीका अपनाया गया था।

बांग्लादेश में तख्तापलट के डेढ़ साल बाद चुनावः12 फरवरी को वोटिंग, शेख हसीना अगस्त 2024 से भारत में रह रहीं

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने गुरुवार शाम इसका ऐलान किया। यह चुनाव शेख हसीना के तख्तापलट के डेढ़ साल बाद हो रहा है। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को हुए तख्तापलट के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद से वहां पर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चल रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि उसी दिन जुलाई चार्टर को लेकर जनमत संग्रह किया जाएगा। जुलाई चार्टर संवैधानिक और राजनीतिक सुधार का एक दस्तावेज है। इसमें 26 पाइंट हैं, जिसका मकसद देश की राजनीति और शासन व्यवस्था में बदलाव लाना है। इसमें प्रधानमंत्री की सत्ता सीमित करने की बात है, ताकि कोई अनिश्चित समय तक सत्ता में न रह सके। इस चार्टर में पीएम का कार्यकाल 8 या 10 साल करने की बात कही गई है।

अरुणाचल में ट्रक खाई में गिरा, 21 की मौत

जिंदा बचा एक मजदूर 2 दिनों तक पैदल चलकर आर्मी कैंप पहुंचा, तब हादसे की जानकारी मिली

ईटानगर (एजेंसी)।

अरुणाचल प्रदेश के अनजॉ जिले के हयुलियांग इलाके में एक ट्रक 1000 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में ड्राइवर और क्लीनर समेत 21 की मौत हो गई। बचाव दल को 18 शव मिल चुके हैं। यह हादसा 8 दिसंबर का है। जानकारी गुरुवार को सामने आई।

दरअसल, हादसे में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जो दो दिन तक पैदल चलकर किसी तरह आर्मी कैंप पहुंचा। इसके बाद आज सुबह आर्मी के बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंचीं। टीम को घटनास्थल पर पहुंचने में 10 से ज्यादा घंटे लगे।

हादसा 8 दिसंबर की रात हुआ था

हादसे में घायल व्यक्ति खाई से मुश्किल से बाहर निकला और हयुलियांग-चगलगाम रोड पर पहुंचा। दो दिन तक पैदल चलकर दिसंबर की रात चिपरा GREF कैंप तक पहुंचा। यहां उसने जवानों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गुरुवार सुबह आर्मी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे वाली जगह चगलगाम से लगभग 12 किलोमीटर आगे पहाड़ी और घने जंगल वाला इलाका है। यहां बहुत ही कम आवाजाही होती है।

गोवा अग्निकांडः लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में ले लिया गया। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी।

अनुराग ठाकुर बोले- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहेःसौगत रॉय ने कहा- केंद्रीय मंत्री की बात छोड़िए, हम पी सकते हैं, स्पीकर बोले- कार्रवाई होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के शीतकालीन सत्र के नौवें दिन लोकसभा सदन में ई-सिगरेट पीने का विवाद चर्चा में रहा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- TMC सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा।

इसके बाद संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में TMC सांसद सौगत रॉय ने कहा- केंद्रीय मंत्री की बात छोड़िए, हम सदन परिसर में ई-सिगरेट पी सकते हैं। बिल्डिंग के अंदर सिगरेट नहीं पी सकते, लेकिन बाहर पी सकते हैं।

इधर विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीप सिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले।

जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को किताब दी

इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने 'सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरी: मणिबेन पटेल की डायरी' नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा।

राजनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंग्रेजी में दीजिए। मैं गुजराती नहीं जानता हूं।' इतना कहकर राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए। आज भी दोनों सदनों में चुनाव सुधार, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर हंगामे के आसार हैं।

नड्डा बोले- वंदे मातरम् गीत राष्ट्र के पुनः निर्माण का आह्वान

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- वंदे मातरम् गीत राष्ट्र के पुनः निर्माण का आह्वान है। वंदे मातरम् एक मंत्र, ऊर्चा, प्रण, संकल्प है। ये मां भारती की साधना, सेवा और आराधना है। इससे जो भाव पैदा होते हैं। उसे शब्दों में बांधना बहुत कठिन है। ये आजादी का जज्बा देता है। आजादी के संघर्ष की याद भी दिलाता है। जब 1875 में ब्रिटिश हम पर अपना राष्ट्रगान थोपना चाहते थे। तब बंकिम चंद्र चटोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत हमको दिया। 1882 में आनंदमठ में उन्होंने इस जोड़ा।

तकलीफ में देश आया तो विपक्ष इसकी भी जिम्मेदारी ले

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- जो सम्मान, स्थान वंदे मातरम् को मिलना चाहिए था, वो नहीं मिला, इसके लिए तब के शासक जिम्मेदार हैं। देश जब तकलीफ में आया तो विपक्ष को इसकी भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

वंदे मातरम् को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह कभी नहीं मिला, और उस समय देश के नेता इसके लिए जिम्मेदार थे। 1937 में, जवाहरलाल नेहरू ने वंदे मातरम् के बारे में कुछ आपत्तियां जताईं। सितंबर 1937 में उर्दू लेखक अली सरदार जाफरी को लिखे एक पत्र में उन्होंने गाने की भाषा की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें बहुत ज्यादा मुश्किल शब्द हैं, जिन्हें लोग नहीं समझते और यह कि इसके विचार राष्ट्रवाद और प्रगति की आधुनिक सोच से मेल नहीं खाते। नड्डा ने कहा कि यही हमारा आरोप है कि भारत के पीएम ने वंदे मातरम् के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को नजरअंदाज किया गया।

राहुल का शाह को डिबेट का चैलेंज

इससे पहले गुरुवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह को डिबेट के लिए चैलेंज कर दिया था। दरअसल इससे पहले शाह ने कहा था कि चुनाव सुधार पर चर्चा से बीजेपी के लोग भागते नहीं है। लोकसभा में दोनों के बीच इस पर तीखी बहस भी हुई। शाह ने राहुल गांधी के लोकसभा में पूछे 3 सवालों का जवाब भी दिया। इस दौरान सदन में 7 से ज्यादा बार हंगामा हुआ। आखिर में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया था।

बीजेपी सांसद किरण चौधरी ने कहा- हमारे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे हित में है। देश की सुरक्षा तभी सुनिश्चित होगी जब हम उन लोगों को बाहर निकाल देंगे जिनका हमारे देश से कोई लेना-देना नहीं है।

ममता बोलीं- शाह खतरनाक, वे दुर्योधन-दुशासन जैसे

महिलाओं से कहा- एसआईआर में नाम कटे तो आपके खाना बनाने के बर्तन हैं, उनसे लड़ो

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने गुरुवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा।

ममता ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर यानी वोटर वेरिफिकेशन) को लेकर महिलाओं से कहा- वे (केंद्र सरकार) एसआईआर के नाम पर मांओं-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे।

ममता ने महिलाओं से ये भी कहा- अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट से कटने मत देना। महिलाएं आगे आकर लड़ेंगी, पुरुष इनके पीछे रहेंगे।

ममता ने आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है। अमित शाह वोटों के इतने भूखे हैं कि चुनाव से दो महीने पहले ही यह प्रक्रिया चला रहे हैं।

एसआईआर बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा

ममता ने रैली में ये भी कहा कि

अक्टूबर से 12 राज्यों में एसआईआर चल रहा है। इस प्रक्रिया का मकसद गलत मतदाता का नाम हटाना और नए मतदाता जोड़ना है। यह बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा है।

ममता ने केंद्र पर बंगालियों को बांग्लादेशी बताकर डिटेंशन कैंप भेजने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बीजेपी समर्थक अफसर भेजे जा रहे हैं, जो जिलाधिकारियों की निगरानी कर रहे हैं। अगर किसी को बाहर निकाला गया, तो हम वापस लाएंगे। बंगाल का मामला अलग है।

अमित शाह बोले- लोकतंत्र को प्रदूषित होने से बचा रहे

गृह मंत्री अमित शाह ने ममता के विरोध को घुसपैठियों को बचाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि एसआईआर से लोकतंत्र को प्रदूषित होने से बचाया जा रहा। शाह ने एक्स पर लिखा कि कुछ दल मतदाता सूची शुद्धीकरण के खिलाफ हैं, क्योंकि उन्हें घुसपैठियों के वोट चाहिए।

लमरा जंगल में मिला नक्सली डंप सामान

मिट्टी के नीचे छिपाकर कर रखे थे, सरेंडर नक्सलियों ने दिया इनपुट

राजनांदगांव (एजेंसी)।

राजनांदगांव रेंज के लमरा जंगल में दो स्थानों से बड़ी मात्रा में नक्सलियों की छिपाकर रखी गई सामग्री बरामद हुई है। मामला बकरकट्टा थाना क्षेत्र का है। इससे पहले 8 दिसंबर को 12 माओवादियों ने सरेंडर किया था। उसके बाद आज उसी इलाके से हथियार बरामद किए गए।

आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पुलिस टीम को पूछताछ के दौरान लमरा जंगल में दो गुप्त डंप स्थलों की जानकारी दी थी। सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने तुरंत तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान मिट्टी के नीचे छिपाकर रखे गए हथियारों, विस्फोटकों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं का एक बड़ा जखीरा मिला।

सेंट्रल एजेंसी जुटा रही जानकारी

केंद्रीय जांच एजेंसी राजनांदगांव में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों से विस्तृत जानकारी जुटा रही है। एजेंसी उनके वित्तीय स्त्रोतों का पता लगा रही है, जिसमें तेंदूपत्ता और ठेकेदारों से मिलने वाली रॉयल्टी शामिल है। इसके अलावा पुराने नक्सली और सीसी सदस्य रामधेर के बड़े

नेताओं से संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

बोर गन, बीजीएल शामिल

बरामद की गई सामग्री में एक इंसास एलएमजी राइफल, दो .303 राइफल (58 जिंदा राउंड के साथ), एक 12 बोर गन (25 राउंड के साथ), एक बीजीएल (पांच सेल में से चार जिंदा और एक खाली), दो सेट वर्दी कपड़े, दो पोच, दो पिट्ठू, तिरपाल, मेडिकल सामग्री, नक्सली साहित्य और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक और सघन अभियान के तहत ये हथियार मिलना सुरक्षा बलों के लिए महत्वपूर्ण सफलता है। यह सफलता 8 दिसंबर को एमएमसी जोन के 12 माओवादियों के आत्मसमर्पण के बाद मिली।

14 से विधानसभा का शीतकालीन सत्र

चार दिन के सत्र में लगे 628 सवाल, अपराध-धान घोटाले जैसे मुद्दों पर घिरेंगे मंत्री

रायपुर (एजेंसी)।

नवा रायपुर में बने नए विधानसभा भवन में 14 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह सत्र 14 से 17 दिसंबर तक चार दिन चलेगा। पहले दिन सदन में छत्तीसगढ़ विजन पर चर्चा होगी।

4 दिन तक चलने वाले इस सत्र में साय मंत्रिमंडल को कांग्रेस और बीजेपी के विधायकों की कड़ी बहस का सामना करना पड़ेगा। मंत्रियों से सवाल-जवाब के लिए विधायकों ने कुल 628 प्रश्न दिए हैं। इनमें से 604 सवाल ऑनलाइन माध्यम से और 24 ऑफलाइन तरीके से लगाए गए हैं।

लॉ एंड ऑर्डर, धान और सड़क पर घिरेंगे मंत्री

सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था, धान खरीदी, सड़कों की स्थिति और राशन वितरण में गड़बड़ी पर सबसे अधिक चर्चा होगी। इसके चलते नया विधानसभा भवन 3 दिन तक गर्मागर्म बहस और सियासी टकराव का केंद्र बनेगा।

सदस्य दे सकेंगे तीन नोटिस

14 दिसंबर से शुरू होने वाली बैठक में विधायकों को सुबह 8 बजे तक नोटिस दाखिल करने का अवसर मिलेगा। इसके तहत ध्यानाकर्षण सूचना, स्थगन सूचना और नियम 267-क के तहत सूचनाएं दी जा सकेंगी।

सचिवालय ने स्पष्ट किया है कि एक सदस्य एक दिन में अधिकतम दो ध्यानाकर्षण और एक स्थगन नोटिस दे सकता है। पूरे तीन दिन के सत्र में अधिकतम 6 ध्यानाकर्षण और तीन स्थगन नोटिस स्वीकार किए जाएंगे।

नए विधानसभा परिसर में व्यवस्थाएं पूरी

नए विधानसभा परिसर में सभागार और अन्य व्यवस्थाएं पूरी हैं। पिछले सत्र की शुरुआत पुराने विधानसभा भवन में 18 नवंबर को हुई थी, जिसे अब नए भवन में आगे बढ़ाया जाएगा। इस बार की व्यवस्था विधायकों और सचिवालय के तय नियमों के अनुरूप की गई है।

अमित शाह ने लोकसभा में आपत्तिजनक शब्द बोला

रिजिजू बोले- गलती से निकल गया; गृहमंत्री बोले- चुनाव जीतने पर विपक्ष 'कौ-कौ' करता है...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा में बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार और एसआईआर पर संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष को जमकर फटकार लगाई। भाषण के बीच बोलने वाले विपक्षी सांसद को नसीहत दी।

संबोधन के दौरान शाह के मुंह से गुस्से में आपत्तिजनक शब्द भी निकला। उन्होंने ये भी कहा कि 2014 के बाद से भाजपा की जीत पर विपक्ष कौ-कौ-कौ करता है। विपक्ष जब हंगामा कर रहा था तब शाह गुस्से में आ गए। उन्होंने विपक्ष की ओर उंगली दिखाते हुए कहा- मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। 30 साल से जनप्रतिनिधि हूं, आपकी मुंसिफगिरी संसद में नहीं चलेगी। शाह ने अपने भाषण के दौरान विपक्ष के चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली पर लगातार उठाए जा रहे सवाल पर जवाब दिया। उन्होंने कहा- मैं भी बहुत सोचता हूं ये चुनाव आयोग कहता है कि ***** कुछ नहीं हो रहा। तो ये विपक्ष क्यों सवाल करता है।

शाह ने असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया। विपक्ष ने इस पर हंगामा किया। संसदीय मंत्री रिजिजू ने कहा- गलती से यह निकला है। सदन के पटल से हटेगा।

शाह ने भाषण में कहा- देश में EVM कांग्रेस ही लेकर आई थी। 2004 में मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली की 16 विधानसभा सीटों पर EVM से चुनाव का ट्रायल किया गया। 2014 में भाजपा सरकार केंद्र में आई। इसके बाद से हम चुनाव जीत रहे हैं तो विपक्ष 'कौ-कौ-कौ' करने लगता है।

छत्तीसगढ़ में एसआईआर की डेट 18 दिसंबर तक बढ़ी

फॉर्म नहीं जमा करने पर आएगा चुनाव आयोग का नोटिस, हजारों आवेदन अब तक नहीं पहुंचे

रायपुर (एजेंसी)।

देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत मतदाता फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी गई है। 6 राज्यों में डेट आगे बढ़ी है। इसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। छत्तीसगढ़ में फॉर्म भरने के लिए 1 हफ्ते की समय सीमा बढ़ाई गई है। अब 18 दिसंबर तक फॉर्म भरे जाएंगे।

प्रदेश में BLO (बूथ लेवल ऑफिसर) घर-घर जाकर मतदाताओं को फॉर्म दे रहे हैं। लेकिन अब तक हजारों आवेदन आयोग तक नहीं पहुंचे हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं ने फॉर्म जमा नहीं किया, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

आयोग के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में सुधार और अपडेट के लिए अनिवार्य है। इसमें नए 18 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं को जोड़ा जाएगा, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं को हटाया जाएगा। गलत नाम या पते ठीक किए जाएंगे।

कांग्रेस जिला शहर अध्यक्ष बनने पर मुकेश राठौर का क्षत्रीय राठौर समाज ने किया स्वागत

कोरबा (दिव्य आकाश)।

क्षत्रीय राठौर समाज द्वारा सियान सदन घंटाघर में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवनियुक्त जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर का स्वागत किया। क्षत्रीय राठौर समाज कोरबा जिला की मासिक बैठक प्रत्येक माह 10 तारीख को सम्पन्न होती है। इस माह के बैठक में समाज से मुकेश राठौर जो समाज के संरक्षक भी हैं, को कांग्रेस जिला कोरबा शहर अध्यक्ष बनाये जाने पर समाज में खुशी की लहर है। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर समाज के लोगों ने मुकेश राठौर का स्वागत और सम्मान का कार्यक्रम रखा। साथ ही नये भवन निर्माण संबधी चर्चा के साथ सामाजिक उत्थान के बारे में विशेष चर्चा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने सम्बोधित करते हुए मुकेश राठौर की नई जिम्मेदारी को लेकर उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी । इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। साथ ही प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी का गठन चुनाव के माध्यम से होना है, इस हेतु बैठक में निर्णय लिया गया। जो भी प्रतिभागी भाग लेते हैं उनका पूरी तरह से समर्थन एवं सहयोग किया जाएगा । नवनियुक्त जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर ने कहा कि विश्वास के इस दायित्व को जिम्मेदारी के साथ निभाने का यथासंभव प्रयास करूंगा और संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना मेरी प्राथमिकता होगी।

कार्यक्रम में शिव नारायण राठौर संरक्षक, मनोज राठौर अध्यक्ष, अरुण राठौर उपाध्यक्ष, सनत राठौर, मनहरण राठौर भठोरा, कृष्णावतार राठौर, विजय राठौर, कमलेश राठौर, रामू राठौर, मनोज राठौर वकील,संतोष राठौर, पी पी एस राठौर, विनोद राठौर, शिवा राठौर, महिला सदस्यों में -राजेश्वरी राठौर, दीपा राठौर, सुनीता कमलेश राठौर, अनीता पी पी एस राठौर, सुनीता मुकेश राठौर, लक्ष्मी राठौर, संतोषी राठौर, कल्पना राठौर, सरिता राठौर, बबिता राठौर, जय कुमारी राठौर सहित क्षत्रीय राठौर समाज के सदस्यगण काफी संख्या में उपस्थित थे।

विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर द्रोणा महाविद्यालय में कार्यशाला

दिव्यांगों में भी अद्वितीय क्षमताएं एवं प्रतिभाएं होती है

बिलासपुर/पाली (दिव्य आकाश)।

विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर द्रोण महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई, जिसके मुख्य अतिथि डॉ विनय कुमार पाठक-पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग एवं वर्तमान में थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार के कुलपति, अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यक्रम की अध्यक्षता द्रोण महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक पांडेय, विशिष्ट अतिथि डॉ गजेंद्र तिवारी शिक्षाविद, समन्वयक, अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद, रमेश चंद्र श्रीवास्तव पूर्व आईएसएस अधिकारी साहित्यकार एवं समाजसेवी तथा श्रीमती स्मृति जैन समाजसेवी भाजपा नेत्री, द्रोणा महाविद्यालय के सचिव श्रीमती मीनू पांडेय प्राचार्य कुलदीप द्विवेदी एवं श्रीमती मानसी गोवर्धन उपस्थित थे।

डॉ विनय कुमार पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप लोगों को आनंद मिश्रित आश्चर्य होगा कि विकलांग विमर्श की गंगा बिलासपुर से प्रारंभ हुई है। अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद बिलासपुर में चेतना जागृत करने का बीड़ा उठाया है। डॉक्टर द्वारिका प्रसाद अग्रवाल उसके पुरोधा और डॉक्टर विनय कुमार पाठक इसके प्रवर्तक के रूप में स्थापित हैं। इन दोनों की जुगलबंदी ने निशक्त चेतना स्मारिका के सात भाग प्रकाशित करके तथा देश में दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ लगभग दो दर्जन से अधिक शोध

संदर्भ ग्रंथ प्रकाशित करके, जो चेतना जागृत की है, उसके परिणाम स्वरूप आज पूरे देश में अनेक विश्वविद्यालय, महाविद्यालय से शोध कार्य हो चुके हैं और अनेकानेक गतिमान हैं। इस तरह स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श के बाद 21वीं सदी के दस्तक के साथ लिंग और जाति से रहित विशुद्ध मानवता का दृष्टिकोण पर आधारित यह विमर्श उत्कर्ष को स्पर्श कर रहा है। विकलांग विमर्श को प्रतिष्ठित करने के समांतर अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद ने 65 शल्य चिकित्सा शिविर में निशुल्क कृत्रिम हाथ-पैर प्रदान करना और प्रथम बार विकलांगों का सामूहिक विवाह और परिचय सम्मेलन संबंधित कर इस परिषद ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। गीता देवी रामचंद्र अग्रवाल विकलांग अस्पताल एवं अनुसंधान निशुल्क सेवा केंद्र का बिलासपुर में 4:30 करोड़ की लागत से निर्मित है, जो आज चेतना पूरे विश्व में दृष्टिगत हो रही है, उसकी पृष्ठभूमि में इस परिषद के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। विकलांग विमर्श दशा और दिशा विकलांग विमर्श की आचरण संहिता है, जिसका मराठी और बंगाली अनुवाद भी प्रकाशित हो चुका है। सभी अतिथियों ने अपने मंतव्य रखें जिसमें डॉ.गजेंद्र तिवारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस समावेशिता की दिशा में एक कदम आज, 3 दिसंबर को, हम अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाते हैं। यह दिन हमें विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी समावेशिता के बारे में जागरूक करने का अवसर प्रदान करता है।विकलांगता एक ऐसी स्थिति है जो किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है, चाहे वह किसी भी उम्र, जाति, या धर्म का हो। यह एक सामाजिक और आर्थिक चुनौती है, लेकिन यह एक अवसर भी है कि हम अपने समाज को अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बना सकें। विकलांग व्यक्तियों को अक्सर भेदभाव, असमानता, और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है। उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लेकिन, यह भी सच है कि विकलांग व्यक्तियों में अद्वितीय क्षमताएं और प्रतिभाएं होती हैं, जिन्हें पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है। रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि विकलांगों को सहानुभूति की बजाय समान अनुभूति दें, जिससे वे भी हमारी तरह कंधे से कंधा मिलाकर समाज में अच्छा काम कर सकें और अपने कार्यकाल के दौरान एक अनुभव साझा किया। एक प्रेरणा से एक विकलांग व्यक्ति आज दिल्ली में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत है । स्मृति जैन ने कहा कि हम विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों का समर्थन करते हैं। आइए, हम सब मिलकर एक समावेशी समाज बनाने के लिए काम करें, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और अवसर मिले। चाहे उनकी क्षमता कुछ भी हो। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन संस्था की प्राचार्य श्रीमती मानसिक गोवर्धन ने किया।

इंडस पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव 12 को

दीपका (दिव्य आकाश)। इंडस पब्लिक स्कूल दीपका का वार्षिकोत्सव 12 दिसंबर को स्कूल परिसर में शाम 5 बजे से आयोजित है। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल होंगे। विशिष्ट अतिथि हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, डॉ. एकता सिंधु, सात्विक सिंधु उपस्थित रहेंगे। स्कूल प्रबंधन ने वार्षिकोत्सव में संस्था के छात्र-छात्राओं और उनके पालकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की बात कही है।

अजय एसईसीएल दीपका में एटक से जेसीसी मेंबर

दीपका (दिव्य आकाश)। एसईसीएल दीपका एरिया में एटक से अजय राठौर नए जेसीसी मेंबर होंगे। संगठन का पुर्नगठन भी किया है। प्रगति नगर दीपका स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में एटक के केंद्रीय महामंत्री अजय विश्वकर्मा और केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने इसकी घोषणा की। 4 श्रम संहिता कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने का आह्वान किया। एटक दीपका एरिया के क्षेत्रीय अध्यक्ष जीत सिंह, क्षेत्रीय सचिव विनोद कुमार यादव, वेलफेयर सदस्य सत्येंद्र मिश्रा, एरिया सेफ्टी प्रदीप महतो, दीपका परियोजना अध्यक्ष मनमीत सिंह, सचिव संतोष पटेल होंगे। इस मौके पर सतीश तिवारी, सीके सोनी, सुरेंद्र सरकार, बीएल कुर्रे, विजय विश्वकर्मा, जोगीराम, रामकुमार, रंजीत शामेल, बुदेश्वर देवांगन, भारत लाल साहू, योगेश साहू समेत अन्य मौजूद रहे।

सांसद ज्योत्सना-महंत ने 'वंदे मातरम्' को छत्तीसगढ़ का शौर्य बताया

संसद में ज्योत्सना ने कहा- कुछ लोग इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत कर रहे हैं

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत ने संसद में 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर हुई चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने इस गीत को मातृभूमि के प्रति सम्मान से जोड़ते हुए स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान पर प्रकाश डाला। सांसद महंत ने कहा कि कुछ लोग इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत कर रहे हैं। अपने वक्तव्य की शुरुआत में ज्योत्सना महंत ने छत्तीसगढ़ की माटी से अपने जुड़ाव को रेखांकित किया। उन्होंने बताया, 'मैं उस छत्तीसगढ़ की माटी से आती हूं जहां के आदिवासियों ने 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के साथ अंग्रेजों का सामना किया था और गोलियां भी खाईं। उन्होंने जोर दिया कि यह उद्घोष आदिवासियों के लिए केवल एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि की रक्षा के लिए मर मिटने

की प्रेरणा था।

गीत की एक एक लाइन को सांसद ने समझाया

सांसद महंत ने 'वंदे मातरम्' की भावना को वर्तमान संदर्भों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि इस गीत को वास्तविक सम्मान देने का अर्थ देश की समस्याओं को दूर करना है। उनके अनुसार, धरती मां का सम्मान तभी होगा जब देश को बेरोजगारी, महंगाई और प्रदूषण जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी।

उन्होंने 'सुजलाम सुफलाम' जैसी पंक्तियों का उल्लेख करते हुए प्रकृति की रक्षा पर जोर दिया। सांसद ने कहा कि हमें अपनी नदियों, पहाड़ों, जंगलों और कृषि भूमि की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि धरती मां अपने बच्चों में भेदभाव नहीं करती, इसलिए सच्ची देशभक्ति में सभी धर्मों और समुदायों के प्रति सम्मान निहित है। ज्योत्सना महंत ने बताया कि वह एक ऐसे परिवार से आती हैं, जहां उनके दादाजी और ससुर दोनों स्वतंत्रता सेनानी थे। इस पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण उन्होंने 'वंदे मातरम्' के भावनात्मक और ऐतिहासिक महत्व को करीब से समझा है।

उन्होंने प्रियंका गांधी वाड्रा का भी जिक्र किया और कहा कि उन्होंने बिल्कुल सही कहा कि इस चर्चा को महंगाई, बेरोजगारी और वायु प्रदूषण जैसे वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित होना चाहिए।

महिला के गले-कान से जेवर लूटे, रॉड से मारा

सीसीटीवी में भागते दिखे आरोपी, चेहरे पर गमछा बांधे घर घुसे थे 4 युवक

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

जांजगीर-चांपा जिले के चांपा बस स्टैंड के पास 10 दिसंबर की शाम चार अज्ञात बदमाशों ने एक घर में घुसकर महिला से मारपीट की। उन्होंने महिला के गले और कान से सोने-चांदी के जेवर लूटे और मौके से भाग गए।

यह घटना शाम करीब 6 बजे हुई। उस समय परमेश्वरी देवांगन नामक महिला घर में अकेली थीं। वह खाना बनाने के साथ ही एक रिश्तेदार के घर छठी कार्यक्रम में जाने की तैयारी कर रही थीं। तभी चेहरे पर गमछा बांधे 4 युवक घर में घुस आए और गहनों की मांग करने लगे।

महिला ने जब विरोध किया तो आरोपियों ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं। इसके बाद आरोपी उनके कान और गले से जेवर निकालकर मौके से फरार हो गए। घायल महिला का इलाज जारी है।

सीसीटीवी में दिखे आरोपी

घटना के बाद महिला ने पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही चांपा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को इलाज के लिए बीडीएम अस्पताल भेजा।

पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं, जिनसे कुछ संदिग्धों की पहचान के सुराग मिले हैं। घटनास्थल के पास से एक आरोपी की चप्पल भी बरामद हुई है, जिसे सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है।

जांच में जुटी पुलिस, आरोपियों की तलाश जारी

चांपा पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और मौके से मिले सबूतों के आधार पर आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन की वादाखिलाफी पर गेवरा ग्रामीणों का बढ़ा आक्रोश, 11 साल बाद भी न विस्थापन न मुआवज़ा

कोरबा/ कुसमुंडा (दिव्य आकाश)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) कुसमुंडा प्रबंधन की उदासीनता और कथित वादाखिलाफी के ख़िलाफ़ कोरबा जिले के गेवरा ग्राम के ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है ग्रामीणों ने एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है । ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2015 में इंदिरा स्टेडियम कुसमुंडा में आयोजित जनसुनवाई में प्रबंधन ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी कि गेवरा ग्राम का विस्थापन वैशालीनगर - खमरिया ग्राम में किया जाएगा इस सार्वजनिक घोषणा को 11 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश आज तक न तो विस्थापन की प्रक्रिया शुरू की गई है न ही महत्वपूर्ण DRCC बैठक बुलाई गई है और न ही ग्रामीणों को उनका वैध मुआवज़ा प्रदान किया गया है ।

जनता के साथ सरासर धोखा

ग्रामीणों ने SECL प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि गेवरा ग्राम को जानबूझकर पीछे धकेलते हुए जरहाजेल डंपिंग और बरमपुर डंपिंग जैसी अन्य परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है ग्रामीणों ने इसे जनसुनवाई में किए गए वादों का खुला उल्लंघन और ग्रामवासियों के साथ घोर अन्याय बताया है

ग्रामीणों के अनुसार यह अनदेखी दर्शाती है कि उन्हें जानबूझकर परियोजना से बाहर करने की कोशिश की जा रही है जो कि सरासर धोखा है ।

ग्रामीणों ने SECL प्रबंधन को स्पष्ट करते हुए निम्नलिखित तीन सूत्रीय मांगों को तुरंत पूरा करने की मांग की है।

जिला साहू संघ में दो फाड़ः नाराज दूसरे पक्ष ने बनाया पैरलल कोरबा महानगर साहू संघ

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रेस क्लब तिलक भवन टी पी नगर कोरबा में जिला साहू संघ के पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल साहू सहित नाराज पक्ष ने पत्रकार वार्ता लेकर कोरबा महानगर साहू संघ गठन की जानकारी दी। गिरधारीलाल साहू ने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल में विघटित समाज को एकजूट किया और कल जिला साहू संघ चुनाव के पूर्व एकजूट करने का प्रयास किया, लेकिन हर तरह से यह प्रयास असफल रहा और 330 आजीवन सदस्यों का नाम मतदाता सूची से विलोपित कर दिया गया और हम चुनाव नहीं लड़ पाए, क्योंकि उन्होंने अपने बनाए नए बायलॉज में शर्त रख दी थी, जिसमें कहा गया है- जिनका नाम मतदाता सूची में होगा, वही चुनाव लड़ सकेंगे। यूं कहें तो जो उम्मीदवार सामने आ रहे थे, उन्हें हटा दिया गया और गिरजा साहू स्वयंभू अध्यक्ष बन गए।

हम चुनाव का बहिष्कार करते हैं

गिरधारीलाल साहू, वरिष्ठ सदस्य एवं प्रदेश साहू संघ के वरिष्ठ सदस्य रविन्द्र साहू, तहसील अध्यक्ष बालाराम साहू, पूर्व महासचिव धनीराम साहू सहित उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि गिरजा साहू का निर्विरोध अध्यक्ष बनना फर्म एवं सोसायटी के नियम एवं शर्तों के मुताबिक नहीं हुआ और उन्होंने कहा कि जानबूझ कर 330 आजीवन सदस्यों का नाम काट दिया गया और 690 नए सदस्यों को मतदाता सूची में जोड़ा गया। हमें चुनाव लड़ने से रोका गया और हमारे अधिकारों का हनन किया गया। रविन्द्र साहू और गिरधारीलाल साहू ने कहा कि हमने प्रदेश साहू संघ के सामने भी आपत्ति की और पिछली कार्यकारिणी से बातचीत के जरिए एकजुटता का परिचय देने के लिए संवाद की कोशिश की, लेकिन वे हमारी बात सुनने को तैयार नहीं हुए और हमें समाज को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नया संगठन-कोरबा महानगर साहू संघ का गठन करना पड़ा। हम गत 09 दिसम्बर को हुए जिला साहू संघ के चुनाव का विरोध करते हैं और उस चुनाव को अवैध घोषित कराने के लिए फर्म एवं सोसायटी सहित न्यायालय का शरण लेंगे।

गिरजा साहू के कार्यकाल में एक भी रचनात्मक कार्य नहीं

रविन्द्र साहू एवं पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल साहू ने कहा कि गिरजा साहू का कार्यकाल तीन साल का था, लेकिन हमारे दबाव के बाद भी वे और प्रदेश संघ ने चुनाव पर कोई दिलचस्पी नहीं ली और दो साल और समय तक वे अध्यक्ष बने रहे। पिछले चुनाव में भी अवैध तरीके से गिरजा साहू जिला अध्यक्ष बने। मात्र 21 मतदाताओं के जरिए वे अध्यक्ष बने।

उन्होंने कहा कि फाऊंडर अध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू ने जिला साहू संघ के लिए जमीन और भवन तथा मैंने विस्तार के लिए काम किया और जिला साहू संघ को उनका अपना भवन मिला और जमीन भी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारे द्वारा डॉ. रमन सिंह द्वारा झगरहा में 1.85 एकड़ समाज को दी गई जमीन को तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को साफ-साफ कह दिया कि हमें जमीन नहीं चाहिए और इस तरह हमें मिली मिलाई जमीन हमारे हाथ से छूट गई। उन्होंने गिरजा साहू पर आरोप लगाया कि वे अपने 5साल के कार्यकाल में एक भी रचनात्मक कार्य नहीं किया और आय-व्यय, लेखाजोखा में 32 लाख खर्च करना बताया, जिसमें 7 लाख की लेनदारी बताई गई है, जबकि समाज के लिए उन्होंने एक भी कार्य नहीं किया।

पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल साहू ने कहा- गिरजा साहू स्वयंभू अध्यक्ष, चुनाव अवैध

जिला कोरबा महानगर साहू संघ के अध्यक्ष बने मनकराम साहू

गिरधारीलाल साहू-संरक्षक, धनीराम साहू-संरक्षक, मनकराम साहू-अध्यक्ष, बद्रीप्रसाद साहू-उपाध्यक्ष, पद्मिनी साहू-उपाध्यक्ष, मदनगोपाल साहू-संगठन सचिव, पुनीराम साहू-सचिव, मुन्ना साहू-कोषाध्यक्ष, रविन्द्र साहू-मीडिया प्रभारी/सलाहकार, बालाराम साहू-कार्यवाहक अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य- दमन साहू-खरमोरा, सीपी साहू-एमपी नगर, दिनेश साहू-रजगामार, कृष्णा साहू-नेवसा, लोटनापारा, कृपाराम साहू-बालकोनगर, राधेश्याम साहू-हरदीबाजार, घनश्याम साहू-दीपका, श्रीमती रामकुमारी साहू- संरक्षक (महिला), संध्या साहू-कोहड़िया, मुन्ना साहू-संरक्षक/सलाहकार। पत्रकार वार्ता में सुमनबाला साहू, अंजू साहू, शिवकुमारी साहू, रजनी साहू, नंदिनी साहू, रामकुमारी साहू, राधा साहू, जानकी साहू, सविता साहू, कमला साहू, खुशबू साहू, माधुरी साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे। पूर्व पार्षद पालूराम साहू भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में ठिठुरन: मैनपाट में जमी ओस

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी विक्रम संवत् 2082 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 12 से 18 दिसंबर 2025

सुविचार

सपना देखो और उसे पूरा करने कड़ी मेहनत और पूरी इच्छा शक्ति लगा दो...।

हसदेव नदी में डूबने से 3 दोस्तों की मौत

मृतकों में एक एएसआई का बेटा, 26 घंटे बाद तीनों शव बरामद, नहाने के दौरान हादसा

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

जांजगीर-चांपा जिले में हसदेव नदी में डूबने से तीन छात्रों की मौत हो गई। रेस्क्यू टीम ने 26 घंटे की तलाश के बाद गुरुवार सुबह तीनों के शव बरामद कर लिए। नहाते समय वे गहराई में चले गए थे।

मृतकों में नेल्सन लकड़ा (15) शामिल था, जो सक्ती जिले में पदस्थ एएसआई नजारियूस एक्का का बेटा था। युवराज राठौर (14) के पिता दिनेश राठौर प्लांट कर्मचारी हैं, जबकि रुद्र सिंह राज (11) के पिता जयचंद राज किराना दुकान चलाते हैं। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्कूल की छुट्टी होने के कारण तीनों दोस्त बुधवार सुबह करीब 10 बजे साइकिल से हनुमान धारा नहाने गए थे। शाम तक घर न लौटने पर परिवार ने खोजबीन शुरू की। त्रिदेव घाट के पास उनकी साइकिल, कपड़े और चप्पलें मिलीं, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी गई थी। जिसके बाद SDRF और पुलिस टीम ने पूरे क्षेत्र में रेस्क्यू अभियान चलाया। मृतक रुद्र (कक्षा 5), युवराज (कक्षा 8), और नेल्सन (कक्षा 9) तीनों जगदल्ला कॉलोनी स्थित मनका पब्लिक स्कूल के छात्र थे।

हसदेव नदी के पानी का प्रवाह रोका गया

बच्चों के लापता की सूचना मिलते ही चांपा पुलिस, SDRF टीम और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। SDM पवन कोसमा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। बच्चों की खोजबीन के लिए हसदेव नदी का जल प्रवाह अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, ताकि तलाशी अभियान में तेजी लाई जा सके।

बुधवार को दिन में तीनों बच्चों की तलाश लगातार जारी रही। लेकिन शाम होने के बाद अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आईं, जिसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया था। आज सुबह तलाशी के दौरान तीनों के शव बरामद किए गए।

चांपा एसडीएम पवन कोसमा ने बताया कि सुबह 10-11 बजे 3 बच्चे हनुमान धारा घूमने गए थे। परिजनों ने उन्हें फोन किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। बाद में लोकेशन के आधार पर वहां पहुंचे। मौके पर बच्चों की साइकिल और कपड़े मिले थे। नदी का बहाव तेज था, लेकिन एनिकट से पानी का बहाव कम कर दिया गया है। तीनों के शव मिल चुके हैं।

मेडिकल पीजी कोटा पर सियासी टकराव

नेता प्रतिपक्ष महंत ने सीएम को लिखा पत्र, कहा- छत्तीसगढ़ के छात्रों को 50 प्रतिशत सीट का आरक्षण मिले

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल का पलटवार कांग्रेस नेताओं की ये पुरानी परंपरा

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में मेडिकल PG एडमिशन कोटा पर विवाद तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के बाद मामला राजनीतिक गरमाहट पकड़ चुका है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने महंत के पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कि 'कांग्रेस नेताओं की पत्र लिखने की पुरानी परंपरा है। राज्य के PG कोटा को सेंट्रल कोटे में मर्ज करने के खिलाफ हमने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अपील स्वीकार हो चुकी है और हाईकोर्ट के फैसले तक आदेश पर रोक लगाई गई है। उम्मीद है कि राज्य का 50 प्रतिशत कोटा पूरी तरह वापस मिलेगा।'

JDA की शिकायत पर उठा मुद्दा

मेडिकल पीजी कोटा में बदलाव को लेकर जूनियर डॉक्टरों में नाराजगी है। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (JDA) ने नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत से

मुलाकात कर अपनी चिंता सामने रखी थी। JDA का कहना है कि नई व्यवस्था से राज्य के MBBS ग्रेजुएट्स को सीधे नुकसान होगा। महंत ने छात्रों की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर छात्रों के हित में नया आदेश वापस लेने की मांग की थी।

छत्तीसगढ़ के छात्रों को 50 प्रतिशत सीट का आरक्षण मिले: महंत

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में छत्तीसगढ़ के छात्रों के लिए आरक्षण घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पिछले वर्षों से काफी कम है। उन्होंने आग्रह किया कि सभी मेडिकल कॉलेजों में छत्तीसगढ़ के छात्रों के लिए कम से कम 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं।

नए आदेश से क्यों बढ़ा विवाद

1 दिसंबर से चिकित्सा शिक्षा विभाग ने पीजी सीटों की संरचना में बदलाव किए हैं। नई नीति के तहत राज्य की 50 प्रतिशत आरक्षित सीटों में से 25 प्रतिशत सीटें ओपन मेरिट में जोड़ दी गई। इसका मतलब यह है कि अन्य राज्यों के उम्मीदवार भी ओपन कोटे में बराबरी से प्रतियोगिता कर सकेंगे।

JDA के छात्रों ने क्या कहा

जेडीए से जुड़े छात्रों का कहना है कि, 'नई व्यवस्था से राज्य के अपने मेडिकल छात्रों के लिए सीटें कम हो जाएंगी और बाहरी उम्मीदवारों को ज्यादा अवसर मिलेगा।'

स्वास्थ्य मंत्री ने साफ कहा है कि सरकार छात्रों के हितों को प्राथमिकता दे रही है और अदालत से पूरे 50 प्रतिशत कोटे की पुनर्बहाली की उम्मीद है। कोटा विवाद अब सियासत, स्वास्थ्य नीति और छात्रों की चिंताओं का बड़ा मुद्दा बन चुका है।

जांजगीर-चांपा में पकड़ाया 113 क्विंटल अवैध धान

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम तागा स्थित धान खरीदी केंद्र में अवैध रूप से लाए गए 113.60 क्विंटल धान और एक माजदा वाहन को जब्त किया गया है। यह कार्रवाई एक बिचौलिए से की गई, जिसने किसान राजेश कौशिक के नाम पर जारी टोकन का उपयोग करने का प्रयास किया था।

जानकारी के अनुसार, ग्राम तागा के किसान राजेश कुमार कौशिक के नाम पर 2 दिसंबर 2025 को टोकन जारी किया गया था, जिसके तहत 11 दिसंबर 2025 को धान की तौल होनी थी। इसी दिन एक माजदा वाहन चालक 113.60 क्विंटल धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंचा था।

खरीदी केंद्रों पर लगातार जांच जारी

धान खपाने की सूचना मिलने पर मंडी निरीक्षक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने बताया कि वह धान नवागढ़ क्षेत्र से लाया था और उसे बेचने से पहले ही पकड़ लिया गया।

इसके बाद, धान से भरी माजदा वाहन को जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन किसानों की सहूलियत के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशों पर सभी धान खरीदी केंद्रों पर लगातार जांच की जा रही है ताकि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

कोरबा में अलाव तापते बुजुर्ग आग में गिरा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में एक बुजुर्ग अलाव तापते समय आग में गिरकर गंभीर रूप से झुलस गया। 55 वर्षीय सहेतर सिंह 90 प्रतिशत जल गए हैं, उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बिलासपुर रेफर किया गया है। यह घटना हरदी बाजार नेवसा सुपेतपारा बस्ती की है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार देर रात सहेतर सिंह अपने घर के पीछे आंगन में रखी फसल की खरही (पुआल) की रखवाली कर रहे थे। ठंड से बचने के लिए उन्होंने खरही के पास लकड़ी का अलाव जलाया था और वहीं सो गए। देर रात अचानक वह अलाव की आग में गिर गए। चीख-पुकार सुनकर उनके बेटे और बहू घर से बाहर निकले। उन्होंने तत्काल बुजुर्ग को जिला मेडिकल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि सहेतर सिंह 90 प्रतिशत झुलस गए हैं और उनकी हालत बेहद गंभीर है।

ठंड से अम्बिकापुर में एक की मौत

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में खुले में सोए एक व्यक्ति की ठंड से मौत हो गई। उसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। शव पुराने बस स्टैंड के पास मिला। मंगलवार को वह पुराने बस स्टैंड इलाके में देखा गया था। आशंका है कि वह भीख मांगकर गुजारा करता था और उसके पास पर्याप्त गर्म कपड़े नहीं थे।

मंगलवार शाम लोगों ने उसे खुले में पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि उसकी मौत ठंड लगने से हुई।

बता दें कि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे आ गया है। इस बीच मौसम विभाग ने सरगुजा, दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर इन चार संभाग के दो से तीन पॉकेट में अगले दो दिनों तक कोल्ड वेव चलने का अलर्ट जारी किया गया है।

7 शहरों में तापमान 10°C से नीचे पहुंच गया है, जिनमें मैनपाट, अंबिकापुर, पेंड्रा और जगदलपुर, बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव शामिल हैं। मैनपाट में रात का पारा 4°C से नीचे चला गया और वहां ओस की बूंदें जमकर बर्फ में बदल गई हैं।

17 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

अगले दो दिन गौरेला-पेण्ड्रा-मारवाही, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कबीरधाम, मुंगेली, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, बेमेतरा, रायपुर, दुर्ग, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बालोद और कोरबा में शीतलहर चलने का अलर्ट है।

अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 5.0°C, पेंड्रा में 8.6°C और जगदलपुर में 9.1°C, दुर्ग में 9 डिग्री और राजनांदगांव में 9.5 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान 29.4°C जगदलपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 5°C अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

उद्योग हितैषी नीति से राज्य में 7.69 लाख करोड़ रूपए के निवेश

रायपुर। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साधन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रदेश में नई औद्योगिक नीति (2024-30) लागु की गई है। राज्य की उद्योग हितैषी नीति के फैसले निवेशक छत्तीसगढ़ में उद्योग-धंधा स्थापित करने की दिशा में आकर्षित हो रहे हैं। प्रदेश में 01 जनवरी 2024 से अक्टूबर 2025 तक 2415 उद्योग स्थापित हुए जिनके द्वारा लगभग 18058.34 करोड़ का निवेश किया गया एवं लगभग 42 हजार 500 रोजगार सृजित हुए।

जनपद पंचायत पाली की

करतला पंचायत में लाखों रु का सड़क निर्माण सवालों के घेरे में

जिला खनिज निधि से बनी सीसी रोड चंद दिनों में ही तहस-नहस

पाली (दिव्य आकाश)।

पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत करतला में गोकनाई नाला से लाटा पारा मार्ग पर जिला खनिज न्यास मद से वर्ष 2025-26 में तैयार की गई सीसी रोड कुछ ही दिनों में जर्जर होने लगी है और कई जगह सड़क तहस-नहस हो गई है।

शासन द्वारा हर वर्ष पंचायतों को विकास कार्यों के लिए बड़ी मात्रा में धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। कोरबा, कोयला एवं विद्युत उत्पादन क्षेत्र होने के कारण जिले को मिलने वाली अतिरिक्त राजस्व राशि भी खनिज न्यास निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु स्वीकृत की जाती है। इन निधियों का उपयोग सीसी सड़कें, नालियां, पुलिया, रिटर्निंग वॉल जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में किया जाना तय होता है, लेकिन भारी बजट खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

घटिया निर्माण और जिम्मेदारों की आपसी सांठगांठ के कारण विकास कार्यों की गुणवत्ता गिरे स्तर पर देखी जाती है। यही वजह है कि लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी गांवों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। इसी कड़ी में करतला पंचायत का यह मामला सामने आया है, जहां लाखों रुपये की लागत से बनी सीसी सड़क एक वर्ष भी नहीं टिक पाई। सड़क की सतह उखड़कर गिट्टियां बाहर आने लगी हैं, जिससे ग्रामीणों का पैदल चलना कुछ ही दिनों मे मुश्किल हो जायेगा

रेलवे ट्रैक पर मिली एनटीपीसी के ठेका श्रमिक की लाश

पटरी पर लेटकर जान देने की आशंका, प्रबंधन पर जानकारी छिपाने का आरोप,मजदूरों का भारी हंगामा

बिलासपुर (एजेंसी)।

बिलासपुर में सीपत स्थित एनटीपीसी कर्मी की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली है। शव को देखकर पहली नजर पर उसके ट्रेन के सामने लेटकर खुदकुशी करने की आशंका है। परिजन और मजदूरों ने प्रबंधन पर जानकारी छिपाने का आरोप लगाया। जिसके बाद गुरुवार की सुबह एनटीपीसी के मटेरियल गेट पर हंगामा करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, ग्राम देवरी निवासी सुरेश वस्त्रकार (43) पिता दुखीराम एनटीपीसी के एमजीआर डिपार्टमेंट में राइटस कंपनी में गैंगमैन में हेल्पर का काम करता था। बताया जा रहा है कि बुधवार को वो ड्यूटी पर था। शाम करीब 5 बजे लाइन नंबर-2 में कोयला छनाई का काम पूरा करने के बाद उसने अपनी उपस्थिति दी।

फिर अपने साथी कर्मचारियों के साथ ड्यूटी पॉइंट से निकल गया। इस दौरान उसके साथ काम करने वाले कर्मचारी अपने-अपने घर पहुंच गए, लेकिन सुरेश रात भर घर नहीं लौटा।

खोजते हुए रात एक बजे एनटीपीसी पहुंचे परिजन

इधर, सुरेश के घर नहीं पहुंचने से परेशान परिजन उसकी तलाश करते रहे। उनके सहयोगी कर्मचारियों से बातचीत करने के बाद देर रात तक उसकी खोजबीन में जुटे रहे। कहीं पता नहीं चलने पर परिजन रात करीब 1 बजे एनटीपीसी प्लांट पहुंच गए। तब उन्हें बताया गया कि, सुरेश की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। उनका शव सीपत हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया है।

प्रबंधन पर जानकारी छिपाने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि, एनटीपीसी प्रबंधन ने घटना की जानकारी छिपाई और परिजनों को इस घटना की जानकारी तक नहीं दी। उन्हें बिना जानकारी दिए शव को अस्पताल भेज दिया। गुरुवार को परिजन और ग्रामीण इस घटना को लेकर नाराजगी जताते हुए मटेरियल गेट पहुंच गए। धीरे-धीरे कर लोगों की भीड़ जुटी और हंगामा शुरू कर दिया।

मजदूर के परिजनों ने की मुआवजे की मांग

आक्रोशित मजदूरों के साथ ही परिजन और स्थानीय लोग प्रबंधन पर मनमानी करने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि मजदूर के परिजन को मुआवजा राशि दी जाए। विरोध-प्रदर्शन के बाद एनटीपीसी प्रबंधन प्रदर्शनकारियों से चर्चा करने की कोशिश में है।

इसके चलते एनटीपीसी में तनाव का माहौल है। ऐहतियात के तौर पर पुलिस जवान और अफसर तैनात हैं। परिजनों ने प्रबंधन पर जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है।

प्रबंधन से चल रही है चर्चा

एनटीपीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण रंजन भारती ने बताया कि, ठेका मजदूर के शव को देखकर पुलिस ने प्रथम दृष्टया सुसाइड बताया है। यह कोई हादसा नहीं है। फिर भी प्रदर्शनकारियों के साथ प्रबंधन की चर्चा चल रही है। कहीं कोई विवाद की स्थिति नहीं है।

कोरबा में ऑक्सीजोन विकास कार्यो का लोकार्पण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार बांसबाड़ी उद्यान में ऑक्सीजोन विकास कार्यों का लोकार्पण किया, वहीं पोड़ीबहार बस्ती के विभिन्न स्थानों में किए जाने वाले 03 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी उनके हाथों किया गया। लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पूर्व सभापति अशोक चावलानी सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पोड़ीबहार मुक्तिधाम के सामने स्थित बांसबाड़ी उद्यान में एन.सी.ए.पी. मद से ऑक्सीजोन का निर्माण 01 करोड़ 60 लाख 11 हजार रूपये की लागत से किया गया है, जिसका लोकार्पण आज उद्योग मंत्री के हाथों किया गया। इसी प्रकार निगम द्वारा वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार में मंदिर के समीप प्रभारी मंत्री मद से 07 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. छत का निर्माण, वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार अंतर्गत महालक्ष्मी इंटरप्राईजेस से सुरेशचंद मंगल के घर तक जिला खनिज न्यास मद से 06 लाख रूपये की लागत से सी.सी.रोड व नाली का निर्माण तथा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत यादव के घर से सी.पी.पटेल घर तक जिला खनिज न्यास मद से 06 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली का निर्माण किया जाना है।

सुविचार

मित्रता उसी से करो
जो मित्रता निभाए
जो विश्वासघात न करे।

सरोकार

संसद का समय बर्बाद न हो

प्राय: देखने में आता है कि संसद सत्र प्रारंभ होते ही विपक्ष संसद सत्र से किसी बात या मुद्दे को लेकर वाक-आऊट कर देता है, किसी मुद्दे को लेकर हंगामा होता है और सदन में चर्चा के बजाय हो-हंगामा में समय बर्बाद हो जाता है। विपक्ष की मांग को कभी-कभी नजरअंदाज कर देने के कारण भी कभी-कभी इस तरह की स्थिति निर्मित होती है और सदन का समय यूं ही बर्बाद हो जाता है। उच्च सदन और निचली सदन का स्पीकर पद संवैधानिक होता है और दोनों स्पीकर को राजनीति से ऊपर उठकर सभी सदस्यों के लिए बराबर की सोच रखनी चाहिए और सभी सदस्यों का भी बराबर सम्मान होना चाहिए, ताकि सदन का समय बर्बाद न हो और देशहित में सभी सदस्यों (पक्ष-विपक्ष) को सदन की कार्यवाही 100 प्रतिशत चले, के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देना चाहिए। आज भारत तेजी से बढ़ता विकासशील देश है और मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में चमकता सितारा बन रहा है। गलत नीतियों का विरोध जरूरी है, लेकिन सदन में वाक-आऊट से समय की बर्बादी न हो और पक्ष भी सरलता से चर्चा के लिए तैयार रहे। जनता सरकार और विपक्ष सीधे सवाल-जवाब से वाकिफ होती है कि कौन जनता का हित चाहता है। सदन की गरीमा का सभी सदस्य ख्याल रखें, तो हमारा सबसे बड़ा सदन इतिहास लिखेगा।

-संपादक

अमेजन 2030 तक लगाएगा 35 अरब डॉलर, 10 लाख नई नौकरियों का वादा

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर (3.14 लाख करोड़ रुपए से अधिक) का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मुख्य उद्देश्य कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है। उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने 'अमेजन संभव शिखर सम्मेलन' के दौरान कहा कि कंपनी ने भारत से निर्यात को चौगुना कर 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है जो अभी करीब 20 अरब डॉलर है। साथ ही 2030 तक अतिरिक्त 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखा है। अग्रवाल ने कहा, ''अमेजन ने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। अब हम 2030 तक भारत में अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का और निवेश करेंगे।'' अमेजन की निवेश योजना माइक्रोसॉफ्ट की 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर की निवेश योजना से दोगुनी और गूगल की 15 अरब अमेरिकी डॉलर की निवेश योजना से करीब 2.3 गुना है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने अब तक भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से संकलित 'कीस्टोन' की एक रिपोर्ट के अनुसार यह भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। अमेजन ने मई 2023 में तेलंगाना और महाराष्ट्र में अपने स्थानीय क्लाउड एवं एआई बुनियादी ढांचे में 2030 तक भारत में 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। कंपनी 2016 और 2022 के बीच भारत में पहले ही 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुकी है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है जिसमें पूर्ति केंद्र, परिवहन नेटवर्क, डेटा केंद्र, डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा एवं प्रौद्योगिकी विकास शामिल हैं। एजेंसी।

रक्षा खरीददार से रक्षा साझेदार बन गया भारत

भारत-रूस के नये समझौतों को लेकर दुनियाभर में बेचैनी

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा कई मामलों में महत्वपूर्ण साबित हुई। रूस, भारत का सबसे विश्वसनीय मित्र है और वैश्विक परिदृश्य में रूस-भारत की दोस्ती और दोनों देशों के बीच हुए समझौतों ने विश्व के कई देशों में बेचैनी भी पैदा कर दी।

भारत-रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाज़ार पहुंच देने पर सहमति जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य है कि 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने ऊर्जा, रक्षा, परमाणु सहयोग, आतंकवाद-रोधी रणनीति और आर्थिक साझेदारी जैसे अनेक क्षेत्रों में नई दिशा दी है। यह यात्रा उस समय हुई जब अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे और भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बढ़ा रहा था। इस पृष्ठभूमि में पुतिन का संदेश स्पष्ट था कि रूस भारत के लिए ऊर्जा का 'विश्वसनीय स्रोत' बना हुआ है और बना रहेगा।

हम आपको बता दें कि पीएम मोदी और पुतिन की संयुक्त प्रेस वार्ता में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भारत की तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था को आवश्यक तेल, गैस और कोयले की निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और गैस भंडार वाला देश है और पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि पारंपरिक ऊर्जा से आगे बढ़कर दोनों देश परमाणु ऊर्जा में भी सहयोग बढ़ाएंगे जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट तथा चिकित्सा एवं कृषि क्षेत्र में परमाणु तकनीकों का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारत और रूस ने कुडनकुलम परमाणु परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और भारत में एक दूसरे परमाणु संयंत्र स्थल पर चर्चा आगे बढ़ाई। यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में निर्णायक योगदान देगा।

इसके अलावा, इस यात्रा की सबसे रणनीतिक उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में संयुक्त निर्माण को बढ़ावा देना रही। रूस ने भारत में ही अपने हथियारों और सैन्य प्लेटफॉर्म्स के स्पेयर पार्ट्स और उपकरणों का उत्पादन करने पर सहमति दी। दोनों पक्षों ने उन्नत रक्षा प्रणाली के संयुक्त सह-विकास और सह-उत्पादन को पुनर्जीवित करने का निर्णय भी लिया। भारतीय सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए संयुक्त उद्यमों से तीसरे देशों को निर्यात की संभावना भी टटोली गई। हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब रूस ने स्पष्ट रूप से Make in India के तहत अपने रक्षा परिवेश को भारत में शिफ्ट करने की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र बलों की यह लंबे समय से शिकायत रही है कि रूस से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की आपूर्ति में काफी समय लगता है, जिससे देश से खरीदी गई सैन्य प्रणालियों का रखरखाव प्रभावित होता है। इस संबंध में भारत और रूस द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम के तहत रूसी हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए पुर्जों, घटकों और अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए।'' संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्ष भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने तथा पारस्परिक रूप से मित्रवत तीसरे देशों को निर्यात करने पर भी सहमत हुए। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत-रूस रक्षा साझेदारी को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए पुन: शुरू किया जा रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ाने के लिए रूस से एस-400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेपों की खरीद में गहरी रुचि दिखाई।

इसके अलावा, भारत-रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाज़ार पहुँच देने पर सहमति जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य है कि 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुँचाया जाए। साथ ही INSTC कॉरिडोर जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी प्रगति का संकेत मिला। साथ ही दोनों देशों ने पहलगाम और मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए हमलों का संदर्भ लेते हुए आईएसआईएस, आईएसकेपी और अन्य वैश्विक आतंकी

नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ''ज़ीरो टॉलरेंस'' नीति और ''दोहरे मानदंडों को अस्वीकार'' करने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा, पुतिन ने भारत-रूस मैत्री को ''साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे'' जैसे भारतीय कथन से अभिव्यक्ति दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से दिये गये राजकीय भोज में भारतीय-रूसी संगीत और विविध व्यंजनों ने सांस्कृतिक जुड़ाव को भी प्रकट किया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई कश्मीरी केसर, असम की चाय और गीता जैसी भेंटें इस साझेदारी की भावनात्मक गहराई को दर्शाती हैं।

देखा जाये तो रूसी राष्ट्रपति की यह यात्रा दर्शाती है कि भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला नहीं बल्कि सह-निर्माण और सह-विकास करने वाला रणनीतिक साझेदार बन चुका है। इसके तीन प्रमुख पहलू विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। पहला है रक्षा सहयोग का बदलता स्वरूप। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध से लेकर 2010 तक भारत-रूस रक्षा संबंध मुख्यत: उपकरण खरीद तक सीमित थे। इससे दो समस्याएँ जन्म लेती थीं। पहली थी स्पेयर पार्ट्स की देर से आपूर्ति और दूसरी थी तकनीकी निर्भरता। इस यात्रा के दौरान पुतिन का यह कहना कि रूस का यह मानना है कि महत्वपूर्ण पुर्जों का उत्पादन भारत में ही होना चाहिए, दोनों देशों के संबंधों में संरचनात्मक बदलाव की घोषणा है। इस बदलाव का अर्थ है लॉजिस्टिक स्वतंत्रता, 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की वास्तविक प्रगति और भारत का रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में नया कदम।

देखा जाये तो रूस का यह झुकाव केवल राजनीतिक सद्भाव का परिणाम नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक भू-राजनीति की जरूरत भी है। रूस को पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भरोसेमंद बाजार चाहिए, वहीं भारत को ऐसी महाशक्ति सहयोगी चाहिए जिसकी तकनीक और रणनीतिक लचीलेपन से उसकी सामरिक क्षमता में वृद्धि हो।

इसके अलावा, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी रक्षा। अमेरिका के दबाव के बीच रूस द्वारा निरंतर आपूर्ति का आश्वासन देने का संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ऊर्जा नीति में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में SMR (Small Modular Reactors) और फ्लोटिंग प्लांट जैसी भविष्य की तकनीकों पर बातचीत दर्शाती है कि दोनों देश परंपरागत साझेदारी को हाई-टेक सहयोग में बदल रहे हैं। INSTC जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्ग वैश्विक शक्ति-प्रतिस्पर्धा के युग में भारत को एक स्थलीय-समुद्री संतुलन प्रदान करेंगे।

पुतिन की भारत यात्रा के वैश्विक प्रभावों को देखें तो सामने आता है कि यह केवल दो देशों की साझेदारी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का संकेत भी है। जब अमेरिका रूस पर प्रतिबंध बढ़ा रहा है और चीन आक्रामक उभार पर है, तब भारत-रूस समीकरण एक स्थिर धुरी की तरह उभर रहा है। BRICS में 2026 में भारत की अध्यक्षता के साथ यह साझेदारी वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर नए संतुलन बना सकती है।

साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो केवल SO-30, MiG, या टैंक आयात करे, अब वह निर्माण, सह-विकास और निर्यात की दिशा में बढ़ रहा है। रूस द्वारा पहली बार तीसरे देशों को संयुक्त निर्यात का प्रस्ताव इस परिवर्तन की पुष्टि करता है। इससे भारत के रक्षा उद्योग का विस्तार होगा, रोजगार और तकनीकी क्षमता बढ़ेगी और भारत एक 'टेक्नोलॉजी टेकर' से 'टेक्नोलॉजी पार्टनर' बनेगा।

बहरहाल, पुतिन की यह यात्रा भारत-रूस रिश्तों के तीसरे युग की शुरुआत है, जहाँ रक्षा, ऊर्जा, परमाणु, आतंकवाद-रोधी सहयोग और व्यापार, सब एक संयुक्त उत्पादन-निर्माण मॉडल में बंध रहे हैं। वैश्विक शक्ति संतुलन के दौर में यह साझेदारी भारत को रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी उन्नयन और बहुध्रुवीय विश्व में प्रभाव बढ़ाने में सक्षम बनाती है।

एजेंसी (नीरज कुमार दुबे)

शिक्षा

जो आपका समय स्वर्णिम कर देगी

जीवन का सबसे सुखद पल विद्यार्थी जीवन होता है। प्रकृति ने बच्चों को समान रूप से प्रतिभा दी है, लेकिन सभी बच्चे न तो अफसर बनते हैं, न ही बड़ी सेलीब्रेटी। भविष्य उसी का उज्ज्वल होता है, जो बचपन से ही शिक्षा को अपनाते हैं और कड़ी मेहनत और संघर्ष को अपना हमसफर बनाते हैं।

प्यारे बच्चों! आज से ही यह समझ लो, कि यदि आप आज के सुख को देखेंगे, तो यौवन और बुढ़ापा में आपको मनोवांछित सुख नहीं मिल पाएगा। आपके अभिभावक आपको आगे बढ़ाने के लिए अपनी सारी सुख-सुविधाएं ताक में रख देते हैं, ताकि आप अच्छी तरह से पढ़-लिखकर कामयाबी के शिखर को प्राप्त करें।

कुछ अभिभावक अर्धशिक्षित होते हैं और वे आपको गाइडेंस नहीं दे पाते, लेकिन उनकी इच्छा होती है कि वे तो ठीक से पढ़ नहीं पाए, लेकिन उनके बच्चे उच्च शिक्षित हों। अपने माता-पिता की इच्छाओं का सम्मान करें और आप शिक्षा को ऐसा हथियार बनाएं, कि आप समाज में उदाहरण पेश करें। आपने देखा होगा या अखबारों के माध्यम से पढ़ा होगा कि... आलू बेचने वाले का पुत्र बना आईएएस, आटो चलाने वाले का बेटा बना आईपीएस... ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जो अपनी मेहनत और संघर्ष से देश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में देश में... राज्य में मेरिट लिस्ट में अपना नाम दर्ज कर इतिहास बनाते हैं।

मैं यह भी कहना चाहूंगा- जो संघर्ष करते हैं... वही इतिहास बनाते हैं। आज देश इतना आगे बढ़ गया है कि हर सुविधाएं अंतिम गांव तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन 40 साल पीछे जा कर देखें तो इस तरह की सुविधाएं देश में और खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं थी और लालटेन का युग जैसा ग्रामीण जीवन था। तब की बात करें तो हमारे देश में ऐसे कई विद्वान हुए, जो सड़क की बत्ती में बैठकर पढ़े और ऊंचे ओहदे तक पहुंचे, गांव में लालटेन जलाकर पढ़ने वाले बच्चे आज देश को नई दिशा दे रहे हैं और देश के लिए प्रेरणाश्रोत बने। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम साहब का नाम सभी ने सुना होगा। उनके जीवन का संघर्ष ही उनको सोना बना दिया और वे तपकर पहले वैज्ञानिक बने और अपनी प्रतिभा से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचे और देश के प्रथम नागरिक के रूप में राष्ट्रपति पद सुशोभित किए।

राष्ट्रपति बनने के बाद वे हमेशा बच्चों को कहा करते थे... आगे बढ़ना है, तो शिक्षा को हथियार बना लो। संघर्ष करो... बड़े सपने देखो... अपना लक्ष्य इतना बड़ा बना लो... कि फालतू चीजों के लिए आपके पास समय ही न बचे।

प्यारे बच्चों! आज के युग में शिक्षा ही वह वस्तु है, जो आपके समय को स्वर्णीम बना देगी। समय के महत्व को समझें और शिक्षा को आपका अनमोल समय चाहिए। यदि आप शिक्षा को अपना अनमोल समय देंगे तो शिक्षा आपको अनमोल बना देगी...।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

फ्लेयर गाउन में पलक तिवारी का प्रिंसेस लुक, श्वेता की बेटी की बोल्ड तस्वीरों पर फिदा होना कंफर्म

अब हाल ही में फिर उनका एक नया फोटोशूट इंटरनेट पर सनसनी मचा रहा है, जिसमें उनकी खूबसूरती और ग्रेस देखकर हर कोई दीवाना हो गया है।

विष्णु सुशासन के दो वर्ष:विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से मिल रही निजात

आदिम जाति विकास विभाग द्वारा राज्य के आश्रम छात्रावासों एवं व्यवसायिक विषयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान आर्थिक परेशानी न हो इसे दृष्टिगत रखते हुए विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के मार्गदर्शन में एक अनुकरणीय पहल शुरू की गई है। इसके तहत इन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि समय-सीमा में भुगतान करने के लिए एक प्रणाली तैयार किया गया है, जिसके तहत विद्यार्थियों को आवेदन करते ही तय किए गए समय में ऑनलाईन राशि का भुगतान हो रहा है। इस व्यवस्था से राज्य के लाखों विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है।

गौरतलब है कि राज्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान आर्थिक सहयोग प्रदान करने हेतु विभाग द्वारा प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का संचालन राज्य गठन के पूर्व से किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 से प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक (कक्षा 11वीं एवं 12वीं) छात्रवृत्ति योजना का संचालन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तथा पोस्ट मैट्रिक (महाविद्यालयीन स्तर) का संचालन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है।

पूर्व की व्यवस्था अनुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि का अंतरण जनवरी से मार्च के दौरान विद्यार्थियों को ऑनलाइन किया जाता था, जिसके कारण विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान काफी आर्थिक एवं मानसिक पीड़ा से जूझना पड़ता था यहां तक की कुछ विद्यार्थी तो अपनी पढ़ाई भी पूर्ण नहीं कर पाते थे। विद्यार्थियों की इसी पीड़ा को प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विभागीय मंत्री रामविचार नेताम ने बहुत ही गंभीरता से समझा एवं इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने इस दिशा में एक ऑनलाईन और पारदर्शी प्रणाली की परिकल्पना की और एक सिस्टम तैयार कराया। इससे निर्धारित समय पर स्कॉलरशिप आवेदन से लेकर अप्रूवल और राशि डिस्बर्समेंट किया जा रहा है। प्रमुख सचिव बोरा ने यह भी निश्चय किया कि चालू वर्ष में सभी विद्यार्थी आदेवन करें और उन्हें निर्धारित समय पर छात्रवृत्ति मिले और उन्हें लंबे समय तक छात्रवृत्ति हेतु परेशान न होना पड़े, यह नई प्रणाली माह अप्रैल-मई 2025 से प्रभावी हुई है।

गौरतलब है कि प्रमुख सचिव बोरा द्वारा विभागीय अधिकारियों की बैठक आहूत कर प्रक्रिया के सरलीकरण किए जाने के निर्देश दिए गए। मुख्यालय स्तर पर आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर योजना की सतत मॉनीटरिंग कर रहे हैं। शासन एवं मुख्यालय स्तर पर किए गए प्रयासों का ही यह प्रतिफल है कि अब छात्रवृत्ति की प्रक्रिया का पूर्ण रूप से सरलीकरण हो गया है। किसी भी छात्र को अब छात्रवृत्ति के लिए ना तो कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहें हैं और ना ही ऑनलाइन आवेदन के बाद ज्यादा इंतजार करना पड़ रहा है।

शिष्यवृत्ति एवं छात्र भोजन सहाय हेतु ऑनलाइन राशि जारी

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 10 जून 2025 को राज्य में संचालित समस्त प्री. मैट्रिक छात्रावास एवं आश्रमों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ जारी कर एक अभिनव पहल की गई है।

इसी प्रकार 17 सितंबर 2025 को मुख्यमंत्री के कर कमलों से 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का अंतरण किया गया। सुशासन की इसी कड़ी में 10 अक्टूबर 2025 को एक लाख 86 हजार 050 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति की दूसरी किश्त की राशि 79.27 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12142 विद्यार्थियों को 5.38 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है।

इस प्रकार कुल राशि 84.65 करोड़ रूपए का आनॅलाईन अंतरण किया गया है। इसके पश्चात् विभाग द्वारा दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु 128030 विद्यार्थियों को राशि 87.88 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया।

अब तक एक लाख 48 हजार 542 विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि 99.46 करोड़ रूपए का एवं एक लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति की राशि 156.27 करोड़ रूपए इस तरह कुल 255.73 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। शासन के इस प्रयास से विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या एवं मानसिक परेशानियों से निजात मिली है। जसं।

नवदायित्व मिलने के बाद अमर सुल्तानिया ने मुख्यमंत्री व शीर्ष नेतृत्व से की भेंट

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

भाजपा की संगठनात्मक पुनर्रचना के बीच जशपुर जिले का संगठन प्रभारी बनाए जाने के उपरांत अमर सुल्तानिया ने राजधानी पहुँचकर प्रदेश नेतृत्व से सौजन्य भेंट की। नई भूमिका को लेकर नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और जिले में संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। सुल्तानिया ने इस अवसर पर कहा कि विश्वास के इस दायित्व को वे पूर्ण मनोयोग से निभाएँगे और संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी।

जशपुर के नवनियुक्त संगठन प्रभारी का दायित्व मिलने के बाद रायपुर में अमर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने जशपुर की संगठनात्मक अहमियत का उल्लेख करते हुए सुल्तानिया को सक्रिय संवाद, कार्यकर्ता-संपर्क और जनाधार विस्तार पर विशेष ध्यान देने

की सलाह दी। इसके पश्चात वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मिले। डॉ. सिंह ने उनके राजनीतिक सफर और युवावस्था से चले आ रहे संगठनात्मक योगदान की सराहना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने शुभकामनायें देते हुए सुल्तानिया से कहा कि अनुभव और संगठनात्मक समझ जशपुर जिले में सकारात्मक गति प्रदान करेगी। नई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और उन पर विश्वास जताने के लिए के लिए सुल्तानिया ने क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का भी आभार जताया है।

नवदायित्व के बाद प्रदेश के वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, तथा क्रेड़ा अध्यक्ष और जांजगीर-चांपा विधानसभा प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कण्डेय तथा प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज का भी अमर ने आभार व्यक्त किया साथ ही सार्थक बातचीत हुई। सभी ने नवदायित्व के प्रति उनके उत्साह और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नंदन जैन, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग से मिल कर आभार जताया और कहा कि वरिष्ठों का मार्गदर्शन उनके लिए ऊर्जा का कार्य करता है।

शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद अमर सुल्तानिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उसे वे पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और कार्यकर्ता-केन्द्रित कार्यशैली से निभाएँगे। इस अवसर अमर सुल्तानिया के साथ जितेंद्र खंडे, मुकेश भोपालपुरिया, सुनील पाण्डेय, साकेत तिवारी मौजूद रहे।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कुदुरमाल पुल का किया निरीक्षण

○ तीन सदस्यीय समिति गठित कर लोड बेयरिंग टेस्ट के दिए निर्देश

○ वैकल्पिक मार्ग के लिए अध्ययन के दिए निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्राम कुदुरमाल में हसदेव नदी पर स्थित पुल का निरीक्षण किया। इस दौरान सेतु, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के इंजीनियर भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री वसंत ने पुल की जर्जर स्थिति और आवागमन पर प्रतिबंध को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग तलाशने की संभावनाओं का अध्ययन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सेतु, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के इंजीनियरों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने और पुल का निरीक्षण कर लोड बेयरिंग टेस्ट कर रिपोर्ट सात दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर कलेक्टर ने मार्ग की वर्तमान स्थिति का भी अवलोकन किया। निरीक्षण में सेतु, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम के इंजीनियरों के साथ-साथ अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु धान उपार्जन- किसानों से महत्वपूर्ण अपील

कोरबा (दिव्य आकाश)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान विक्रय करने वाले सभी पंजीकृत किसानों को सूचित किया जाता है कि जिन किसानों के खसरे एकीकृत किसान पोर्टल में दर्ज हैं, परंतु एग्रीस्टेक पोर्टल में अपडेट फार्मर रिक्वेस्ट (न्चकंजम थ्ंतउमत त्मुनमेज , आवेदन लंबित है, वे अपने सभी खसरों को शीघ्र एग्रीस्टेक पोर्टल में जोड़वा लें। धान उपार्जन की प्रक्रिया में निर्बाध रूप से सम्मिलित होने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक किसान एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत हो तथा एग्रीस्टेक पोर्टल में 11 अंकों का फार्मर आईडी बनाकर अपने समस्त खसरों का अंकन पूर्ण करे।दिनांक 05 दिसंबर 2025 तक की स्थिति में आने वाले किसानों, जिनके आवेदन न्थ्त् हेतु लंबित हैं, को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे अपने खसरे एग्रीस्टेक पोर्टल में स्वयं जोड़ें, या संबंधित समिति के एग्रीस्टेक लॉगिन अथवा लोक सेवा केंद्र (ब्ब्-टस्म्) के माध्यम से यह कार्य पूर्ण कराएं। खसरा जोड़ने की प्रक्रिया हेतु ऋण पुस्तिका या बी-1, आधार कार्ड तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर अनिवार्य है। किसानों तक जानकारी समय पर पहुंचाने के उद्देश्य से कोटवारों के माध्यम से मुनादी, ग्राम पंचायत एवं समितियों में लंबित किसानों की सूची चस्पा करने और कृषक मित्रों द्वारा घर-घर सूचना देने के निर्देश मैदानी अमले को जारी किए गए हैं। किसानों की सुविधा के लिए 10 दिसंबर से 20 दिसंबर 2025 तक जिले में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें समिति प्रबंधकों, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों और लोक सेवा केंद्रों के वीएलई (टस्म्)की टीम गठित कर शत-प्रतिशत किसानों के छूटे हुए खसरे एग्रीस्टेक पोर्टल में जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त, वे किसान जिन्होंने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान विक्रय किया था, परंतु जिनका एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर आईडी अभी तक नहीं बन पाया है, वे अपना किसान आईडी बनवाकर 15 दिसंबर 2025 तक इसे एकीकृत किसान पोर्टल में कैरी फॉरवर्ड अवश्य करा लें, ताकि आगामी उपार्जन वर्ष में धान विक्रय में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। जिले के सभी किसानों से अपील है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर धान उपार्जन कार्य में सुगमता सुनिश्चित करें।

रायपुर निगम की बदहाल वित्तीय हालत पर उपवास

रायपुर (एजेंसी)।

रायपुर नगर निगम की लगातार बिगड़ती वित्तीय स्थिति को लेकर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने निगम मुख्यालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे एक दिवसीय उपवास रखा। तिवारी ने आरोप लगाया कि, निगम की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कर्मचारियों का वेतन और पेंशन तक समय पर देने की स्थिति नहीं बची है। तिवारी ने कहा कि, ट्रिपल इंजन सरकार के बड़े-बड़े दावों के बावजूद धरातल पर हालत बेहद दयनीय है। शहर के वार्डों में छोटे-छोटे विकास कार्य तक ठप पड़े हैं। पार्षद 50 हजार से 1 लाख रुपए तक के जरूरी कार्यों के लिए जोन अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन पिछले 6 महीने से संधारण मद का एक भी रुपए जोनों तक नहीं पहुंचा। जिससे विकास पूरी तरह रुक गया है।

अधोसंरचना मद में 100 करोड़ मिलने थे

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि, रायपुर नगर निगम को अधोसंरचना मद में 100 करोड़ रुपए मिलने थे, लेकिन दिवाली के दौरान मात्र 7 करोड़ रुपए ही जारी हुए। जिस कारण अधोसंरचना से जुड़े कई पुराने कामों का भुगतान अब तक नहीं हो पाया।

भूमि-भवन रजिस्ट्री से मिलने वाले शेयर का 80 करोड़ रुपए और बार लाइसेंस से मिलने वाला 15 करोड़ रुपए भी निगम को नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से किसी भी मद का पैसा नहीं आ रहा, जिसकी वजह से नगर निगम में पूरी तरह अव्यवस्था फैल चुकी है। तिवारी ने कहा कि नगर निगम और राज्य सरकार दोनों 'मदमस्त' हैं और जनता 'त्रस्त'। नाली-पुलिया जैसे छोटे निर्माण कार्य तक नहीं हो पा रहे हैं। यही है ट्रिपल इंजन का मॉडल, जहाँ विकास का पहिया थम चुका है और कर्मचारियों को वेतन देने तक के लाले पड़े हुए हैं।

अवैध धान को रोकने में किसानों से सहयोग मांगा कलेक्टर वसंत ने

○ कलेक्टर अजीत वसंत ने कनकी धान उपार्जन केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

○ वास्तविक किसानों से इसी खरीफ सीजन के धान खरीदने के निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कोरबा विकासखंड अंतर्गत ग्राम कनकी के धान उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया और किसानों से संवाद किया। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र के नोडल अधिकारी एवं प्रबंधक को निर्देशित किया कि खरीफ सीजन के धान केवल वास्तविक और पंजीकृत किसानों से ही खरीदे जाएँ।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उपार्जन केंद्र की समग्र व्यवस्था का अवलोकन करते हुए यह निर्देश दिए कि धान का भंडारण एवं स्टैकिंग सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमों के अनुरूप किया जाए, ताकि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न आए। साथ ही बारदाने की संख्या का पंजी में शत-प्रतिशत सही एंट्री सुनिश्चित करने और बारदानों में स्टेंसिल लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने उपार्जन केंद्र में लगे कैमरों को सदैव क्रियाशील रखने और आवक एप्लीकेशन में प्रत्येक किसान की जानकारी पूरी तरह दर्ज करने के निर्देश दिए, जिससे खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा करते हुए अवैध धान को बेचने से रोकने सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि यदि कहीं अवैध धान खपाने की जानकारी मिले तो प्रशासन को अवश्य सूचित करें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, खाद्य एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत अर्जित भूमि में खरीदी बिक्री व नामांतरण पर रोक लगाने के दिए निर्देश

हरदीबाजार, सरइसिंगार, रेंकी, कटकीडबरी व नवापारा में भूमि खरीदी, बिक्री, रजिस्ट्री, नामांतरण पर लगा रोक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत कोयला धारक क्षेत्र के तहत स्वीकृत 40 मिलियन टन कोयला उत्पादन हेतु ग्राम हरदीबाजार (भाग), सरइसिंगार (भाग), रेंकी (भाग), कटकीडबरी (भाग), एवं नवापारा (भाग) का कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत उक्त ग्रामों की भूमियों का खरीदी बिकी, रजिस्ट्री, नामांतरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए है।

जारी निर्देशानुसार एसईसीएल दीपका क्षेत्र द्वारा दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत स्वीकृत 40 मिलियन टन कोयला उत्पादन हेतु ग्राम हरदीबाजार (भाग), सरइसिंगार (भाग), रेंकी (भाग), कटकीडबरी (भाग), एवं नवापारा (भाग) की कुल भूमि रकबा 607.118 हेक्टेयर का अर्जन हेतु धारा सेक्शन 9 (प), एस.ओ.क्र. 5445 (अ) का प्रकाशन 26 नवम्बर 2025 को किया जा चुका है। कलेक्टर ने इस सम्बंध में छत्तसीगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त निर्देश के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटघोरा एवं पाली, जिला पंजीयक कोरबा, तहसीलदार दीपका व हरदीबाजार को वर्णित ग्रामों की अर्जित भूमियों का खरीदी/बिक्री, रजिस्ट्री, नामांतरण पर रोक लगाने हेतु निर्देशित किया है। साथ ही की गई कार्यवाही के सम्बंध में जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने निर्देश दिए है।

58% आरक्षण पर SC जल्द दे सकता है फैसला

○ छत्तीसगढ़ की सैकड़ों भर्तियां संकट में, RTI में हाईकोर्ट बोला- 2023 के बाद गलत रोस्टर लागू

रायपुर(एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मामलों पर चल रही सुनवाई पर कोर्ट जल्द ही 50% सीमा उल्लंघन पर अंतिम फैसला दे सकता है। ये फैसला 50% से अधिक रिजर्वेशन देने के खिलाफ जाता है, तो छत्तीसगढ़ में 260 से ज्यादा पदों पर निकाली गई नौकरियां फंस सकती हैं।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में 2012 में 50% की सीमा पार करते हुए कुल आरक्षण 58% कर दिया था। 19 सितंबर 2022 हाईकोर्ट ने इस कानून को खारिज कर दिया। 1 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने सीमित राहत देते हुए कहा कि, HC के फैसले से पहले विज्ञापित पुरानी भर्तियों को ही परिणाम के अधीन पूरा किया जा सकता है।

यह राहत नई भर्तियों पर लागू नहीं थी। लेकिन राज्य सरकार की कई एजेंसियों ने गलत व्याख्या करते हुए 1 मई 2023 के बाद निकली नई भर्तियों पर भी 58% आरक्षण लागू कर दिया। जबकि कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था। इस मामले में RTI में जवाब देते हुए HC ने 2023 के बाद 50% रिजर्वेशन को सही बताया है।

RTI में हाईकोर्ट का जवाब पढ़िए

सवाल 1: क्या संविदा सीधी भर्ती (संविदा नियुक्ति) विज्ञापनों में 8% अतिरिक्त आरक्षण रोस्टर का पालन किया गया है? पूछा गया था कि, क्या 50% रोस्टर और 58% रोस्टर (SC 12%, ST 32%, OBC 14%) में से कौन-सा लागू किया गया?

हाईकोर्ट का जवाब: संविदा सीधी भर्ती विज्ञापन में केवल 50% आरक्षण रोस्टर लागू किया गया है।

सवाल 2: माननीय सर्वोच्च न्यायालय में SLP (C) 19668/2022 में आदेश 1 मई 2023 के बाद भी क्या हाईकोर्ट ने पुराना 58% आरक्षण रोस्टर लागू किया है? नई संविदा भर्ती में 50% रोस्टर लागू किया गया?

हाईकोर्ट का जवाब:

1 मई 2023 से पहले हाईकोर्ट में 58% आरक्षण रोस्टर लागू था। जिसमें SC-12, ST-32 और OBC-14 शामिल है।

समझिए क्या है 58% रिजर्वेशन

दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार सरकारी भर्तियों में 16-20-14 (50%) रोस्टर के बजाय 12-32-14 (58%) रोस्टर लागू कर रखा है। इसमें एससी के लिए 12%, एसटी के लिए 32% और ओबीसी के लिए 14% आरक्षण सरकारी नौकरियों में है।

छत्तीसगढ़ पर सीधा असर, हजारों उम्मीदवारों पर संकट

1 मई 2023 के बाद स्वास्थ्य विभाग में वार्ड बॉय के 12 पदों पर, आबकारी विभाग में आरक्षक के 200 पदों पर, जल संसाधन विभाग में अमीन के 50 पदों पर 58% से अधिक पदों पर भर्ती निकाली थी। इसके अलावा भी कई भर्तियों में 58% रोस्टर लागू हुआ। कई चयन बोर्डों ने 58% के आधार पर रिजल्ट दे दिए हैं। अब अगर कोर्ट सख्त फैसला लेता है तो इनका चयन रद्द हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख, MP को राहत नहीं, CG पर भी असर तय

मध्य प्रदेश सरकार ने OBC को 14% से बढ़ाकर 27% करने के फैसले पर अंतरिम राहत मांगी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि, कोई अंतरिम आदेश नहीं। पहले संवैधानिक वैधता तय होगी। भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल और याचिकाकर्ताओं की दलीलों के बाद कोर्ट ने यह मान लिया कि, छत्तीसगढ़ को मिला आदेश बहुत सीमित था, MP को राहत नहीं दी जा सकती।

अब 50% सीमा से जुड़े मुद्दे पर सीधा अंतिम फैसला देना जरूरी है। ऐसे में दोनों मामलों को अलग कर अंतिम सुनवाई होगी। पहले MP केस की अंतिम सुनवाई होगी। इसके तुरंत बाद छत्तीसगढ़ का केस सुना जाएगा। छत्तीसगढ़ के लिए यह संकेत बहुत गंभीर है, क्योंकि 58% मॉडल का बचाव पहले ही HC में फेल हो चुका है।

छत्तीसगढ़ पर आगे क्या प्रभाव पड़ेगा ?

1. 58% रोस्टर पर निकली भर्तियों पर संकट रहेगा। 1 मई 2023 के बाद की लगभग सभी भर्तियां कानूनी लड़ाई में फंसेंगी।
2. रिजल्ट अटकेंगे, चयन रुक सकता है।
3. हजारों उम्मीदवार असमंजस में पड़ जाएंगे।
4. सरकार पर दोहरा दबाव बनेगा। RTI में HC ने सरकार की गलती उजागर कर दी है।
5. अगर सुप्रीम कोर्ट 50% से ऊपर आरक्षण को असंवैधानिक घोषित कर देता है, तो छत्तीसगढ़ को अपना पूरा आरक्षण मॉडल बदलना पड़ेगा।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पार्टनरशिप फर्म मैसर्स स्काईलाइन प्रोजेक्ट्स गठन दिनांक 16.08.2018 जिसका पंजीयन क्रमांक 222201935972 दिनांक 08.04.2019 से पंजीकृत है। इस फर्म में श्री जवाहरलाल अग्रवाल एवं श्री शैलेश अग्रवाल दो भागीदार हैं। दिनांक 15.03.2019 से श्री जवाहर लाल अग्रवाल अपनी इच्छा से फर्म को छोड़ रहे हैं तथा उनके स्थान पर उसी दिनांक से अंकिता अग्रवाल एवं आशुतोष अग्रवाल फर्म में शामिल हो रहे हैं।

उक्त दिनांक के पश्चात इस फर्म में श्री शैलेश अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल एवं आशुतोष अग्रवाल यह तीन भागीदार रहेंगे।

यह सूचना फर्म्स एवं सोसाइटी में संशोधन हेतु प्रकाशित किया जा रहा है, सो सूचना जानें।

मैसर्स स्काईलाइन प्रोजेक्ट्स
कोरबा छत्तीसगढ़

भारत का इन्फ्लुएंसर मार्केट 10,000 करोड़ पार, छोटे क्रिएटर बने नए स्टार, एक रील से लाखों की कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डिजिटल दुनिया की तेज रफ्तार के साथ भारत का इन्फ्लुएंसर मार्केट भी तेजी से बढ़ रहा है। तेज इंटरनेट और सस्ते स्मार्टफोन्स की वजह से आम लोगों को अपना टैलेंट दिखाने का मंच मिला है, जिससे वे न सिर्फ लोकप्रिय हो रहे हैं बल्कि अच्छी कमाई भी कर रहे हैं। आज कंपनियां एक रील या वीडियो पोस्ट के लिए इन्फ्लुएंसर्स को लाखों रुपए तक भुगतान कर रही हैं।

KlugKlug की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का इन्फ्लुएंसर मार्केट अब 10,000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। पहले यह आंकड़ा केवल 3,000-4,000 करोड़ रुपए बताया जा रहा था।

छोटे क्रिएटर्स का बड़ा प्रभाव

रिपोर्ट बताती है कि माइक्रो और नैनो इन्फ्लुएंसर्स ब्रांड्स के लिए अधिक उपयोगी साबित हो रहे हैं। बड़े इन्फ्लुएंसर भले ही ज्यादा लोकप्रिय हों लेकिन छोटे क्रिएटर्स ग्राहकों तक अधिक भरोसेमंद और असरदार तरीके से पहुंच बना रहे हैं।

ब्रांड्स सीधे कर रहे हैं डील

करीब 75% खर्च, ब्रांड्स और इन्फ्लुएंसर्स की सीधी डील में हो रहा है, जिससे वास्तविक आंकड़ों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। केवल 25% पैसा एजेंसियों की चेन से होकर गुजरता है, जिसे ट्रैक किया जा सकता है।

विज्ञापन जगत में बड़ा बदलाव

कई DwC कंपनियां हर साल 20 करोड़ रुपए से ज्यादा अपनी इन-हाउस क्रिएटिव टीम पर खर्च कर रही हैं। कंपनियां खुद ही वीडियो, रील और कंटेंट बनवा रही हैं, जिससे विज्ञापन एजेंसियों पर निर्भरता कम हो गई है। यह संकेत है कि भारत में विज्ञापन का तरीका तेजी से बदल रहा है।

12 दिसम्बर को कवर्धा में मुख्यमंत्री साय करेंगे मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन

मेडिकल कॉलेज स्थापना से खुलेगा विकास का नया अध्याय - उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

कबीरधाम।

कबीरधाम जिले के स्वास्थ्य ढांचे को मज़बूती देने और युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में मेडिकल कॉलेज कबीरधाम की स्थापना होने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 12 दिसम्बर को अपने कवर्धा प्रवास के दौरान ग्राम घोटिया में मेडिकल कॉलेज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूजित शिला का शिलान्यास एवं भूमिपूजन करेंगे।

कॉलेज के लिए 40 एकड़ भूमि आबंटित, 306 करोड़ से अधिक की राशि को मिली स्वीकृति

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से शासन द्वारा मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए ग्राम घोठिया में 40 एकड़ भूमि का आबंटन किया है। परियोजना के लिए 306 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूरी प्रदान की गई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर कितनी गंभीर और प्रतिबद्ध है। यह कॉलेज अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस होगा और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा विस्तार

मेडिकल कॉलेज की स्थापना के बाद कबीरधाम जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। लोगों को आधुनिक, उन्नत और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होंगी। गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अब दूरस्थ शहरों की ओर निर्भरता कम होगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं तक आसानी से पहुंच सुनिश्चित होगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर यह महत्वपूर्ण परियोजना अल्प समय में स्वीकृत होकर अपने निर्माण चरण तक पहुँच गयी है। उन्होंने इस परियोजना को जल्द से जल्द पूर्ण करने अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं।

जिले में उत्साह का माहौल

इस संबंध में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मेडिकल कॉलेज स्थापना से विकास का नया अध्याय खुलेगा। युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। जिले के लोगों को निर्माण से लेकर संचालन तक रोजगार के अनेक नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और जिले में कौशल विकास भी प्रोत्साहित होगा। मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन को लेकर जिले के लोगों में उत्साह का माहौल है। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं में आशा की नई किरण जागी है कि इस कॉलेज से कबीरधाम को स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

क्रिप्टोकरेंसी से 1,096 करोड़ की कमाई, टीडीएस से सरकार ने भर ली झोली

मुम्बई (एजेंसी)।

क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से भले ही निवेशकों की कमाई उतार-चढ़ाव में रही हो लेकिन सरकार को इससे अच्छा-खासा टैक्स मिला है। वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में जानकारी दी कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों में क्रिप्टो एक्सचेंजों ने यूजर्स से 1,096 करोड़ रुपए टीडीएस के रूप में वसूले हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इसका 60% हिस्सा सिर्फ महाराष्ट्र से आया है।

तीन साल में कितना-कितना टीडीएस वसूला गया?

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के अनुसार...

2022-23: रू. 221.27 करोड़
2023-24: रू. 362.70 करोड़
2024-25: रू. 511.83 करोड़

कुल टीडीएस वसूली: रू. 1,096 करोड़

यह जानकारी सांसद पुल्ला महेश कुमार और मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के सवाल के जवाब में दी गई।

महाराष्ट्र का दबदबा

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, तीन वर्षों में वसूले गए टीडीएस में से लगभग रू. 661 करोड़ महाराष्ट्र के यूजर्स से आए।

राज्यवार टीडीएस (महाराष्ट्र)

2022-23: रू. 142.83 करोड़

2023-24: रू. 224.60 करोड़
2024-25: रू. 293.40 करोड़

यह कुल वसूली का लगभग 60% है।

क्रिप्टो पर 1% TDS कैसे लगता है?

फाइनेंस एक्ट 2022 के तहत इनकम टैक्स एक्ट में सेक्शन 194S जोड़ा गया था। इसके तहत किसी भी वर्चुअल डिजिटल एसेट (VDA)—जैसे क्रिप्टोकरेंसी—के ट्रांसफर पर 1% टीडीएस काटना अनिवार्य है। यह नियम घरेलू और विदेशी दोनों प्लेटफॉर्म्स पर लागू होता है, बशर्ते लेन-देन से हुई कमाई भारत में टैक्सेबल हो।

कई एक्सचेंजों पर कार्रवाई

मंत्री चौधरी के अनुसार, तीन क्रिप्टो एक्सचेंजों पर इनकम टैक्स एक्ट की धारा 133 के तहत सर्वे कार्रवाई की गई, जिसमें...

39.8 करोड़ रुपए का टीडीएस न काटने के मामले मिले

125.79 करोड़ रुपए की छिपी हुई कमाई का खुलासा हुआ

इसके अलावा, मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के लिए FIU-IND ने घरेलू और विदेशी दोनों वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स (VASP) को PMLA के तहत रजिस्टर करना अनिवार्य किया है।

क्षमता और संकल्प से सब कुछ संभव - अरुण साव

दुर्ग।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव दुर्ग में देल्ही पब्लिक स्कूल के वार्षिक उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विधायक रिकेश सेन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि आपके जीवन का हर एक मिनट बेहद कीमती है। यदि इसे समझ लिया जाए तो ऊँचाइयों को छूने से कोई नहीं रोक सकता। श्री साव ने छात्रों से कहा कि बड़ी-बड़ी मंजिलें तय करने से पहले अपने लिए दिशा तय करना जरूरी है। दिशा स्पष्ट हो तो ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़कर ऊँचाईयां हासिल की जा सकती हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटी सी नौकरी से शुरुआत कर मिसाइलमैन और फिर देश का राष्ट्रपति बनना डीपीएस, दुर्ग के प्रबंधन समिति के सदस्य एच.एस. बत्रा, 'हरिभूमि' के प्रधान संपादक तथा प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्राचार्य एवं निदेशक श्रीमती पुनीता नेहरू और इंडस ग्रुप ऑफ स्कूल के निदेशक सुभाष श्योराण सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और विद्यार्थी कार्यक्रम में मौजूद थे।

रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित भविष्य गढ़ने में सहायक होगा - सीएम

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों के साथ किया एमओयू

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

साय ने कहा कि 'रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।' उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं क्योंकि वे अबोध होते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है। किसानों के बकाया बोनस, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना और सबके लिए आवास जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि 350 से अधिक प्रशासनिक सुधार लागू कर छत्तीसगढ़ सुशासन के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है और इसी उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना भी की गई है।

साय ने रक्षक पाठ्यक्रम को रिकॉर्ड समय में तैयार करने और विश्वविद्यालयों में इसे लागू करने के लिए आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। बच्चों से भिक्षावृत्ति कराना, परित्यक्त बच्चों का पुनर्वास, और संवेदनशील मामलों का समाधान—ये सभी अत्यंत चुनौतीपूर्ण विषय हैं। उन्होंने कहा कि 'यह पाठ्यक्रम संवेदनशील, सजग और सेवा-भावयुक्त युवा तैयार करने में मील का पत्थर साबित होगा।' उन्होंने इसे राष्ट्रीय स्तर का नवाचार बताते हुए कहा कि भविष्य में छत्तीसगढ़ इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने पाठ्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आयोग और सभी छह विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम लागू करने हेतु बधाई दी।

यह एक वर्षीय स्नातकोत्तर 'पीजी डिप्लोमा इन चाइल्ड राइट्स एंड प्रोटेक्शन'

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में प्रारम्भ होगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, ,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से कुलसचिव प्रो शैलेंद्र पटेल,प्रो ए के श्रीवास्तव,संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय सरगुजा कुलपति प्रो राजेंद्र लाकपाले, कुलसचिव शारदा प्रसाद त्रिपाठी, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति एवं रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे, कुलसचिव श्री सुनील कुमार शर्मा,आंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर कुलपति डॉ. टी.रामाराव कुलसचिव डॉ. रूपाली चौधरी, एमिटी विश्वविद्यालय रायपुर कुलपति डॉ. पीयूष कांत पाण्डेय, कुलसचिव डॉ. सुरेश ध्यानी,श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई दुर्ग चांसलर डॉ.आई.पी. मिश्रा, कुलपति डॉ ए. के झा एवं डॉ जया मिश्रा, आयोग के सचिव प्रतीक खरे सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

क्या है रक्षक पाठ्यक्रम

प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा 'रक्षक - बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम' को विकसित किया गया है। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध होगी। संवेदनशीलता, जागरूकता और बाल-अधिकारों की आत्मिक समझ विकसित करने वाला यह पाठ्यक्रम युवाओं को इस क्षेत्र में कुशल, समर्पित और प्रभावी मानव संसाधन के रूप में तैयार करेगा। आयोग द्वारा पाठ्यक्रम के संचालन, प्रशिक्षण, परामर्श

मैनपाट में पारा 4°C

रायपुर (एजेंसी)।

मौसम विभाग ने सरगुजा, दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर इन चार संभाग के दो से तीन पॉकेट में अगले दो दिनों तक कोल्ड वेव चलने का अलर्ट जारी किया गया है। 7 शहरों में तापमान 10°C से नीचे पहुंच गया है, जिनमें मैनपाट, अंबिकापुर, पेंड्रा और जगदलपुर, बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव शामिल हैं। मैनपाट में रात का पारा 4°C से नीचे चला गया और वहां ओस की बूंदें जमकर बर्फ में बदल गई हैं।

अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 5.0°C, पेंड्रा में 8.6°C और जगदलपुर में 9.1°C, दुर्ग में 9 डिग्री और राजनांदगांव में 9.5 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान 29.4°C जगदलपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 5°C अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

गोल्ड-सिल्वर में जोरदार तेजी

मुम्बई (एजेंसी)।

सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार (11 दिसंबर) को दोनों के भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के भाव ने लगातार दूसरे दिन नया हाई बनाया। खबर लिखे जाने के समय घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,30,461 रुपए, जबकि चांदी के भाव 1,92,509 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी सर्वोच्च शिखर पर

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को सोने चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। चांदी के भाव तो आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। Comex पर सोना 4,258.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 4,224.70 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 14.70 डॉलर की तेजी के साथ 4,239.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 4,398 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

Comex पर चांदी के वायदा भाव 62.23 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 61.02 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.45 डॉलर की तेजी के साथ 62.47 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव ने आज 63.25 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पार्टनरशिप फर्म मैसर्स स्काईलाइन प्रोजेक्ट्स गठन दिनांक 16.08.2018 जिसका पंजीयन क्रमांक 222201935972 दिनांक 08.04.2019 से पंजीकृत है। इस फर्म में वर्तमान में श्री शैलेश अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल एवं श्री आशुतोष अग्रवाल तीन भागीदार हैं। दिनांक 20.10.2021 से अंकिता अग्रवाल एवं आशुतोष अग्रवाल अपनी इच्छा से फर्म को छोड़ रहे हैं तथा उनके स्थान पर उसी दिनांक से श्री अभिषेक अग्रवाल फर्म में शामिल हो रहे हैं।

उक्त दिनांक के पश्चात इस फर्म में श्री शैलेश अग्रवाल एवं अभिषेक गोयल, ये दो भागीदार रहेंगे।

यह सूचना फर्म्स एवं सोसाइटी में संशोधन हेतु प्रकाशित किया जा रहा है, सो सूचना जानें।

मैसर्स स्काईलाइन प्रोजेक्ट्स
कोरबा छत्तीसगढ़

नए अंदाज में धूम मचाने को तैयार किआ सेल्टोस

लंदन और दक्षिण कोरिया आधारित ऑटोमोबाइल कंपनी किआ ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट SUV, सेल्टोस की नई जनरेशन 2026 पेश कर दी है। यह SUV सेगमेंट में पहले से ही काफी सफल रही है और भारत में हुंडई क्रेटा, मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइराइडर जैसी पॉपुलर कारों से मुकाबला करती है। किआ ने बताया है कि 2026 नई सेल्टोस की बुकिंग बुधवार रात 12 बजे से शुरू हो चुकी है, जिसमें बुकिंग अमाउंट रू.25,000 रखा गया है। हालांकि, लॉन्च इवेंट में कीमतों की जानकारी साझा नहीं की गई, और कंपनी ने स्पष्ट किया कि सभी कीमतें 2 जनवरी 2026 को अलग से घोषित की जाएंगी।

किआ का उद्देश्य इस अपडेट के साथ भारतीय SUV मार्केट में अपनी हिस्सेदारी और बढ़ाना है। सेल्टोस भारत में किआ की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक रही है और कॉम्पैक्ट स्ङ्क सेगमेंट में इसकी पहचान मजबूती से बनी हुई है। नई जनरेशन के लॉन्च के साथ कंपनी अपने ब्रांड इमेज को और मजबूत करना चाहती है।

नई सेल्टोस के फीचर्स और इंटीरियर अपडेट

किआ ने 2026 सेल्टोस में इंटीरियर को पूरी तरह से नया और मॉडर्न बनाया है। इसमें नया फ्लोटिंग डुअल-स्क्रीन सेटअप शामिल है, जिसमें इंफोटेनमेंट स्क्रीन और डिजिटल क्लस्टर दोनों शामिल हैं। इसके साथ ही वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले भी उपलब्ध हैं। ड्राइवर के लिए नया स्टीयरिंग व्हील डिज़ाइन और नई स्विचों की डिजाइन पेश की गई है। इसमें हेड-अप डिस्प्ले भी शामिल है। बाकी के इंटीरियर में एम्बियंट लाइटिंग, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ दिया गया है। पीछे की सीटें फोल्ड होकर 447 लीटर तक सामान रखने की क्षमता प्रदान करती हैं।

कलर ऑप्शन

नई सेल्टोस 10 सिंगल कलर विकल्पों में उपलब्ध होगी, जिनमें Morning Haze, Magma Red, Imperial Blue, Gravity Gray, Aurora Black Pearl, Frost Blue, Ivory Silver Gloss, Glacier White Pearl, Pewter Olive और Xclusive Matte Graphite शामिल हैं। इसके अलावा, दो ड्यूल-टोन विकल्प भी हैं - Glacier White Pearl + Aurora Black Pearl और Magma Red + Aurora Black Pearl।

लुक और डिजाइन

नई किआ सेल्टोस का लुक ग्लोबल मार्केट की टेल्यूराइड SUV जैसी दमदार और प्रीमियम दिखती है। इसमें नए अलॉय व्हील्स, ग्लॉस ब्लैक टाइगर नोज ग्रिल, LED डे टाइम रनिंग लाइट्स और नई कनेक्टेड LED टेल लैंप्स शामिल हैं। 2026 सेल्टोस HTE, HTK, HTX और GTX ट्रिम्स में आएगी। इसके अलावा, किआ ने ग्राहकों के लिए ऑप्शनल पैकेज भी पेश किए हैं - Convenience पैकेज, Premium पैकेज, ADAS पैकेज और X-Line Design पैकेज, जिससे खरीदार अपनी जरूरत और पसंद के अनुसार फीचर्स चुन सकेंगे।

इंजन और गियरबॉक्स विकल्प

किआ ने पुष्टि की है कि नई सेल्टोस में मैनुअल गियरबॉक्स, iMT (क्लच के बिना मैनुअल), CVT ऑटोमैटिक और टॉर्क-कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्प उपलब्ध होंगे। इंजन की बात करें तो इसमें 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (115 PS और 144 Nm), 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल (160 PS और 253 Nm) और 1.5 लीटर टर्बो डीजल (116 PS और 250 Nm) का विकल्प होगा। ये वही इंजन हैं जो वर्तमान सेल्टोस और हुंडई क्रेटा में उपयोग किए जाते हैं।

कुल मिलाकर, नई किआ 2026 सेल्टोस न केवल इंटीरियर और तकनीकी अपडेट के मामले में दमदार है, बल्कि इसके डिज़ाइन और कलर विकल्प इसे बाजार में बेहद प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। बुकिंग आज से शुरू होने के साथ, SUV प्रेमियों के लिए यह नई सेल्टोस एक आकर्षक विकल्प साबित होगी। एजेंसी।

EV खरीदने का सही मौका! साल खत्म होने से पहले इलेक्ट्रिक कारों पर मिल रहा बंपर डिस्काउंट

कार निर्माता कंपनियां वर्ष 2025 के अंतिम हफ्तों में अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EVs) की बिक्री बढ़ाने के लिए भारी डिस्काउंट स्कीम लेकर सामने आई हैं। पेट्रोल और डीज़ल कारों में टैक्स कटौती के बाद खरीदारों की प्राथमिकता में बदलाव और EV की मांग में गिरावट के कारण कंपनियों ने इन्वेंट्री खाली करने के लिए यह कदम उठाया है।

सभी प्रमुख मॉडल पर डिस्काउंट स्कीम

कंपनियों ने ऑफर्स को केवल कुछ मॉडल तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने पूरे इलेक्ट्रिक लाइनअप पर लागू किया है।

हुंडई, किआ, महिंद्रा, टाटा मोटर्स और JSW MG जैसी कंपनियां इस छूट में शामिल हैं।

टाटा Curvv EV और महिंद्रा XEV 9e पर लगभग रू.3.5 लाख तक के लाभ मिल रहे हैं।

JSW MG ने Mid-Night Carnival के तहत Comet EV पर लगभग रू.1 लाख और कुछ ZS EV ट्रिम्स पर रू.1.35 लाख की कटौती की है।

GST में बदलाव का असर

इस इंसेंटिव लहर का मुख्य कारण 22 सितंबर 2025 को ICE कारों पर GST में कमी है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का मूल्य लाभ घट गया और पहले जैसी कीमत तुलना अब नहीं रही। पहले EV और ICE कारों के बीच तुलना संतुलित थी, लेकिन अब ICE कारों की कीमतें कम होने के कारण EV की अपील कमजोर हुई।

बिक्री और रजिस्ट्रेशन ट्रेंड

कई ब्रांड आने वाले मॉडल-ईयर से पहले 2025 स्टॉक खत्म करने में लगे हुए हैं। नवंबर 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री लगभग 14,700 यूनिट रही, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 63% अधिक है। फिर भी EV की हिस्सेदारी घटकर 3.7% रह गई, जबकि त्रस्त्र में बदलाव से पहले यह 5% थी।

अक्टूबर और नवंबर के रजिस्ट्रेशन डेटा भी यही संकेत देते हैं: कुल पैसेंजर वाहन बाजार में तेजी आई, लेकिन EV का हिस्सा 3-4% के स्तर पर स्थिर रहा। महिंद्रा का कहना है कि उनकी स्कीम EVs और ICE दोनों पर लागू है, लेकिन BEVs पर विशेष ध्यान दिया गया है क्योंकि उनके इलेक्ट्रिक ओरिजिन लाइनअप का पहला साल पूरा हो गया है।

लग्जरी EVs और भविष्य की तैयारी

लग्ज़री इलेक्ट्रिक कारें इन भारी कटौतियों से अलग हैं। प्रीमियम सेगमेंट में डिस्काउंट कम हैं और कुछ मॉडल वेटिंग लिस्ट पर हैं। BMW iXv, जो भारत में ब्रांड के अधिकांश EV बिक्री में जिम्मेदार है, का वेटिंग पीरियड लगभग चार महीने है। ज़ीरो-एमिशन (Zero-Emission) स्पेस 2026 में अगले चरण में जाने के लिए तैयार है, जब विभिन्न सेगमेंट में कई नए मॉडल लॉन्च होंगे। एजेंसी।

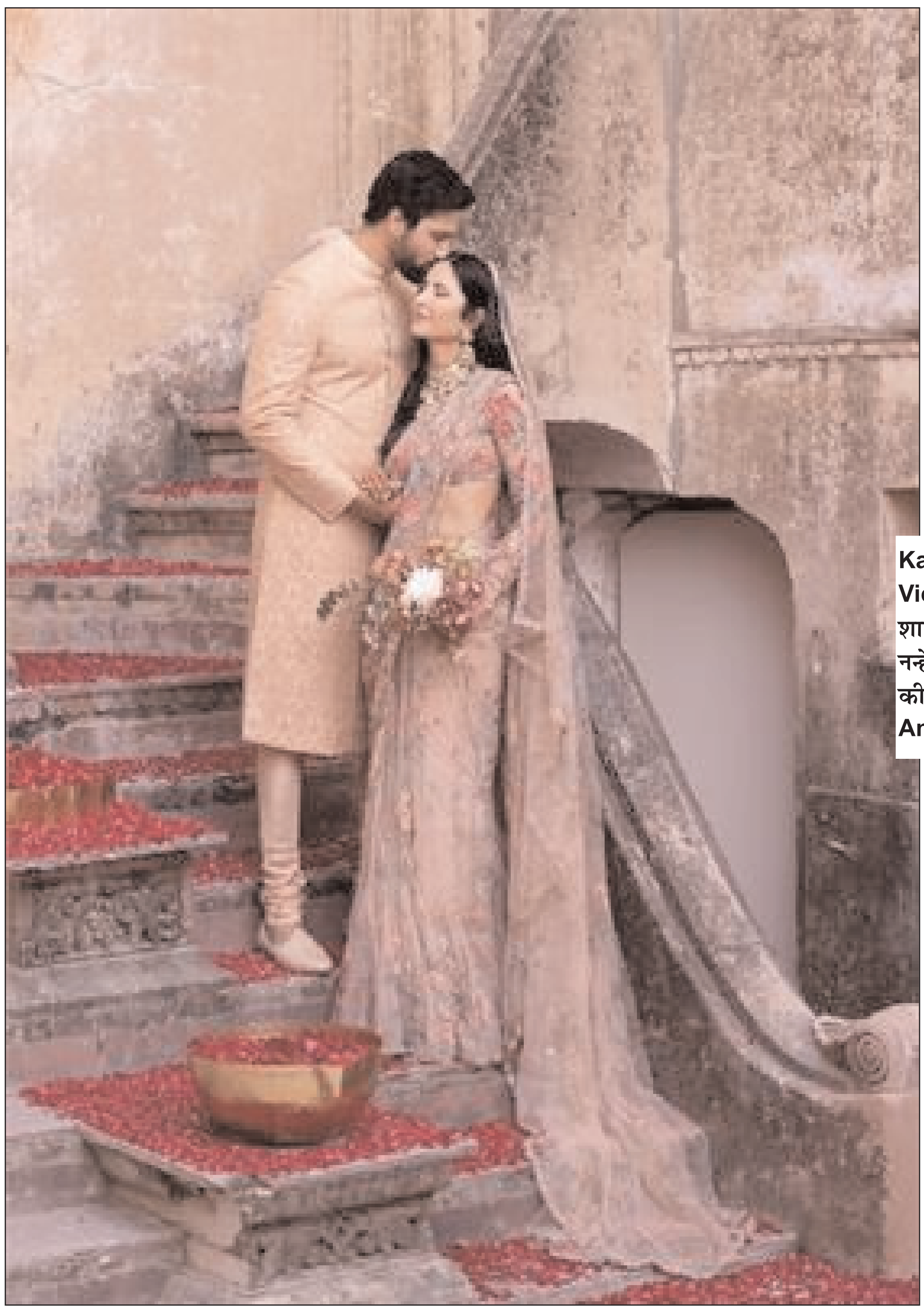

Katrinaऔर VickyKaushal की शादी को हुए 4 साल, नन्हे बेटे के साथ सेलिब्रेट की Wedding Anniversary

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का नया रोमांटिक ट्रैक 'हम दोनों' रिलीज़, फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' से मिला प्यार

मुंबई (एजेंसी)।

तेज बीट्स और पार्टी वाइब्स से भरे दमदार टाइटल ट्रैक की सफलता के बाद अब कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे लेकर आए हैं अपनी फिल्म Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri का एक नया और खूबसूरत रोमांटिक गाना 'हम दोनों'। ये गाना Saregama ने Dharma Productions और Namah Pictures के साथ मिलकर रिलीज़ किया है। पार्टी एंथम के बाद अब माहौल बदलते हुए यह ट्रैक दो दिलों की खूबसूरत बॉन्डिंग और उस मीठी शुरुआत को दिखाता है, जब प्यार धीरे-धीरे दोस्ती से रिश्ते में बदलने लगता है। 'हम दोनों' को आधुनिक प्रेम कहानियों के साथ ही ओल्ड-स्कूल रोमांस को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसे सुनकर किसी को भी वो पहला प्यार और पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी।

गाने के पीछे टैलेंटेड टीम

इस गाने को म्यूजिक इंडस्ट्री के मशहूर कंपोज़र जोड़ी विशाल-शेखर ने कंपोज़ किया है। गाना अपनी मीठी धुन और खूबसूरत वाइब के साथ दिल छू लेने वाला है। इसे आवाज़ दी है शेखर रवजियानी, विशाल ददलानी और श्रुति पाठक ने, जबकि इसके बोल लिखे हैं टैलेंटेड लिरिसिस्ट अनविता दत्त ने। गाने में दिख रही केमिस्ट्री को स्क्रीन पर परफेक्ट बनाने के लिए इसको कोरियोग्राफ किया है रेमो डिसूज़ा ने जो हर स्टेप में प्यार और नजदीकी महसूस कराते हैं।

टीम की प्रतिक्रियाएं

विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी ने इस ट्रैक के बारे में कहा- 'टाइटल ट्रैक की एनर्जी के बाद हमारा मकसद 'हम दोनों' को एक मीठे और सुकून देने वाले गाने के रूप में बनाना था- जैसे एक गर्माहट भरी हग। यह गाना दो लोगों के बीच पनपते प्यार की मासूमियत दिखाता है और हमें यकीन है कि हर कोई इसे सुनकर अपनी शुरुआती रोमांटिक यादों में खो जाएगा।'

कार्तिक आर्यन ने गाने के बारे में कहा 'रे और रूमी की कहानी को 'हम दोनों' खूबसूरती से आगे बढ़ाता है। यह उन गानों जैसा है जिसे आप दिल से अपने पार्टनर को डेडिकेट करना चाहेंगे। खास बात ये है कि इस गाने ने हमें किरदारों के भावनात्मक और शांत हिस्से को एक्सप्लोर करने का मौका दिया।'

अनन्या पांडे ने कहा- 'हम दोनों एक प्योर ब्लिस जैसा गाना है हल्का, मासूम और बिल्कुल वैसा जैसा पहला प्यार महसूस होता है। विशाल और शेखर का म्यूज़िक इतना प्यारा था कि इसे शूट करना हमारे लिए एक खास पल जैसा था। हाई-एनर्जी डांस ट्रैक के बाद ये गाना ऑडियंस को मुस्कुराने और रिलेशन विकसित होते देखने का मौका देगा।'

कब और कहां उपलब्ध है?

'हम दोनों' अब सभी बड़े स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसका म्यूजिक वीडियो Saregama के ऑफिशियल YouTube चैनल पर रिलीज़ हो चुका है। Dharma Productions और Namah Pictures द्वारा निर्मित फिल्म 'Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri' इस साल क्रिसमस पर यानी 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

Tata Sierra के नए वेरिएंट्स की कीमतें आई सामने

टाटा मोटर्स ने नई टाटा सिएरा की वेरिएंट-वाइज कीमतों का खुलासा कर दिया है, जिसमें स्मार्ट+, प्योर और प्योर+ ट्रिम्स की कीमतें 11.49 लाख रुपये से 17.49 लाख रुपये एक्स-शोरूम तक रखी गई हैं। SUV छह कलर ऑप्शन और तीन इंजन विकल्प 1.5L NA पेट्रोल, 1.5L टर्बो डीजल, सीएनजी...।

टाटा मोटर्स ने 25 नवंबर 2025 को अपनी बहुप्रतीक्षित नई Tata Sierra SUV की शुरुआती कीमतों की घोषणा कर दी है। कंपनी ने इसके प्रमुख वेरिएंट्स Adventure, Adventure+, Accomplished और U Accomplished+ की कीमतें जारी कर दी हैं। एंट्री-लेवल Smart+ ट्रिम, जो 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन के साथ आती है, की कीमत 11.49 लाख रुपये और 12.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है।

Tata Sierra की अन्य वेरिएंट और कीमतें

टाटा सिएरा का Pure ट्रिम 1.5L नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.5L टर्बो डीजल इंजनों के साथ उपलब्ध है। इसकी कीमतें 12.99 लाख रुपये से 15.99 लाख रुपये तक जाती हैं। वहीं Pure+ वेरिएंट की कीमतें 14.49 लाख रुपये से 17.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच रखी गई हैं। कंपनी आने वाले कुछ हफ्तों में इसके हाई-एंड ट्रिम्स की कीमतों का ऐलान भी कर सकती है, जिनका ग्राहकों को बेसब्री से इंतजार है।

Tata Sierra के कलर और इंजन विकल्प

नई टाटा सिएरा कुल छह कलर ऑप्शन कूर्ग क्लाउड, प्रिस्टीन व्हाइट, मुन्नार मिस्ट, प्योर ग्रे, अंडमान एडवेंचर और बंगाल रूज में उपलब्ध है। ARGOS (All-terrain Ready, Omni-energy & Geometry Scalable) प्लेटफॉर्म पर आधारित यह SUV तीन इंजन विकल्पों के साथ आती है, जिसमें 1.5L नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन (106bhp/145Nm), 1.5L डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल 4-सिलेंडर इंजन (160bhp/255Nm) और 1.5L टर्बो डीजल इंजन (118bhp/260-280Nm) शामिल हैं। इन पावरफुल और विविध पावरट्रेन विकल्पों की वजह से सिएरा अपने सेगमेंट में अधिक मजबूत, सक्षम और बहुमुखी SUV बनकर उभरती है।

Tata Sierra AWD और 7-सीटर

बाजार में चल रही रिपोर्ट्स बताती हैं कि टाटा मोटर्स भविष्य में सिएरा का AWD (ऑल-व्हील ड्राइव) वर्जन भी पेश कर सकती है। साथ ही इसका 7-सीटर वेरिएंट भी डेवलपमेंट स्टेज में बताया जा रहा है। टाटा का नया ARGOS आर्किटेक्चर कई तरह की बॉडी स्टाइल, पावरट्रेन और ड्राइवट्रेन को सपोर्ट करता है। उम्मीद है कि AWD सिएरा साल 2026 में बाजार में दस्तक दे सकती है। कंपनी सिएरा के लिए CNG या हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्पों पर भी विचार कर रही है। एजेंसी।

जिला पंचायत की सामान्य सभा रही हंगामेदार

सदस्यों ने अधिकारियों को घेरा

कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत फिर नहीं पहुंचे, सदस्य आक्रोशित

ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा का काम ठप्प, भड़के जनप्रतिनिधि

डीएमएफ से पीडब्ल्यूडी को 115 काम मिले, सिर्फ 04 का टेंडर, अधिकारी निरूत्तर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला पंचायत कोरबा की सामान्य सभा की बैठक आज जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह ने की। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में जिले के विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई।

बैठक में वन विभाग कटघोरा के विभागीय एवं कैम्पा मद के निर्माण कार्यों, सहकारिता विभाग, रेशम विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य विभागों की योजनाओं और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की उपलब्धियों, प्रगति एवं आगामी कार्ययोजनाओं को विस्तारपूर्वक सदन के समक्ष रखा।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े सड़क, वन, सुविधा विस्तार, एवं जनसमस्याओं से संबंधित प्रमुख मुद्दों को उठाया। उन्होंने आम जनता की आवश्यकताओं और विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने पर विशेष जोर दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह एवं अन्य सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों व पहुंच मार्गों की मरम्मत एवं सुधार कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। साथ ही कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत किए गए जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निरीक्षण करने तथा इन कार्यों को और सुदृढ़ करने की बात कही। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही शीघ्र सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

कटघोरा डीएफओ फिर नहीं पहुंचे: डॉ. पवन बोले-अधिकारियों की विकास में दिलचस्पी नहीं तो बैठक रद्द कर देते हैं...

जनप्रतिनिधियों के आदेश को बारबार दरकिनार कर हिटलरशाही रूख अपनाने के लिए कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार के खिलाफ फिर आक्रोश दिखा। अध्यक्ष डॉ. पवन ने यहां तक कह दिया कि अधिकारियों को दिलचस्पी नहीं तो बैठक ही रद्द कर देते हैं, लेकिन...

सामान्य सभा की बैठक में सांसद प्रतिनिधि प्रशांत मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेनुका राठिया, श्रीमती सावित्री कंवर, श्रीमती सुष्मिता अनंत, श्रीमती सुषमा रजक, श्रीमती माया कंवर, विद्वान सिंह मरकाम, विनोद कुमार यादव, जनप्रतिनिधिगण, उप संचालक पंचायत मिथलेश किसान, सहायक परियोजना अधिकारी मोहनीश देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. पवन ने सभी जनपदों के सीईओ को लगाई फटकार, कहा- 6 प्रतिशत कमीशन लेना बंद करें

बैठक में इस बार सभी जनपदों के सीईओ घिरे रहे। डॉ. पवन ने कहा कि सभी सीईओ 6 प्रतिशत कमीशन लेते हैं और सरपंच सचिव को प्रताड़ित करते हैं। सीईओ ने नकारने की कोशिश की, लेकिन डॉ. पवन ने कहा- सरपंचों की शिकायत को सार्वजनिक करूं क्या! सभी सीईओ निरूत्तर दिखे।

पीडब्ल्यूडी के ईई को भी फटकार

कोरबा कलेक्टर ने जिले की सड़कों को चकाचक करने और सभी का जीवन सुगम करने सड़क निर्माण के लिए 147 करोड़ जारी किया है। पीडब्ल्यूडी को 115 काम मिले हैं, लेकिन विभाग द्वारा अब तक सिर्फ 04 टेंडर ही निकाले हैं। डॉ. पवन, विद्वान सिंह मरावी ने मुद्दा को उठाया। मरावी ने कहा कि जटगा-पसान सड़क मरम्मत के लिए राशि जारी हो गई है, लेकिन काम अब तक क्यों प्रारंभ नहीं हुआ, जिस पर जांगड़े ने सफाई दी, कहा काम शीघ्र प्रारंभ होगा।

15 वें वित्त की राशि का मुद्दा उठाया प्रशांत मिश्रा ने

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हुए 9 माह बीत गए, लेकिन राज्य सरकार ने 15वें वित्त की राशि जारी नहीं की। इस मुद्दे को सांसद प्रतिनिधि प्रशांत मिश्रा ने उठाया और कहा कि पंचायतों में नई बॉडी को 15वें वित्त की राशि 9 माह बीत जाने के बाद भी नहीं मिली, जिसके कारण पंचायतों में काम ठप्प पड़ा है और पंचायत प्रतिनिधि उदास के साथ आक्रोशित भी हैं।

मनरेगा का काम ठप्प

प्रशांत मिश्रा ने सदन में ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा काम न चलने का मुद्दा उठाया, जिस पर जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग ने सदन को बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम आवास एवं कोटना निर्माण का कार्य मनरेगा से चल रहा है। अन्य कामों के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। इस पर प्रशांत मिश्रा ने आपत्ति जताई और कहा कि किसी गांव में तालाब या कुंआ की जरूरत है, तो वहां कैसे काम होगा। उन्होंने कहा कि मजदूर न मिलने की बात सिर्फ बहानेबाजी है।

मनमाने बिजली बिल, कनेक्शन काटने पर भड़की महिलाएं, दफ्तर घेरा

कोरबा /दीपका (दिव्य आकाश)।

कोरबा के दीपका स्थित वार्ड क्रमांक 2 ज्योति नगर की महिलाओं ने गुरुवार दोपहर बिजली विभाग के दीपका कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने अनियमित और अत्यधिक बिजली बिलों तथा घरों के कनेक्शन काटे जाने का विरोध किया। महिलाओं ने अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी कि यदि बिलों में सुधार नहीं किया गया और कटे हुए कनेक्शन तुरंत बहाल नहीं किए गए, तो वे जन-आंदोलन के तहत दफ्तर का घेराव करेंगी।

महिलाओं का आरोप है कि दीपका बिजली विभाग नियमित रूप से बिल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को भी मनमाने और बेतहाशा बिल भेज रहा है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने कई घरों के बिजली कनेक्शन के तार काटकर आपूर्ति बंद कर दी है, जिससे निवासियों को भारी परेशानी हो रही है।

बिजली कर्मचारियों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने अधिकारियों और कर्मचारियों पर दोहरे मापदंड अपनाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ओर तो ईमानदार उपभोक्ताओं पर सख्ती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वाले लोगों के खिलाफ विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

महिलाओं ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनके मनमाने बिजली बिलों में तत्काल सुधार नहीं किया गया और जिन घरों के कनेक्शन काटे गए हैं, उन्हें तुरंत बहाल नहीं किया गया, तो वे सभी मिलकर दीपका के बिजली दफ्तर का घेराव करेंगी।

अवैध कनेक्शन चलाने वालों पर नहीं हो रही कार्रवाई

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि उन्हें 34,000 से 35,000 रुपये तक के बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। उनका कहना है कि बिजली विभाग के कर्मचारी उनके कनेक्शन काटकर चले गए हैं, लेकिन बिना मीटर के अवैध कनेक्शन चलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। विभाग ने उन्हें यह सुझाव दिया है कि यदि बिल ज्यादा आ रहा है तो उसे किस्तों में भुगतान किया जा सकता है।

इस विरोध प्रदर्शन में वार्ड की अनीता तिवारी, कंचन देवी, प्रभा देवी, रानी देवी, चुनी देवी, सिपल देवी, चंदा सिंह, ममता वर्मा, बबीता सोनी, रूबी देवी, शिवराम और सावित्री केवट सहित ज्योति नगर वार्ड की अन्य महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

तंत्र-मंत्र के दौरान स्क्रैप कारोबारी समेत 3 की संदिग्ध मौत:तांत्रिक बोला-5 लाख को 2.5 करोड़ बना दूंगा,कोरबा में नींबू देकर कमरे में किया बंद

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बुधवार की देर रात कोरबा को हिला देने वाली घटना घटी। कोरबा जिले में तंत्र-मंत्र के दौरान 3 लोगों की संदिग्ध मौत हो गई। बुधवार देर रात बरबसपुर स्थित एक स्क्रैप यार्ड के कमरे से स्क्रैप व्यवसायी अशरफ मेमन, तुलसी नगर निवासी सुरेश साहू और दुर्ग निवासी नीतीश कुमार के शव एक ही कमरे में मिले। घटना उरगा थाना क्षेत्र की है। हालांकि, सिविल लाइन पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि बिलासपुर निवासी कथित तांत्रिक राजेंद्र कुमार 3 साथियों के साथ बुधवार रात कोरबा पहुंचा था। दावा किया गया था कि 5 लाख रुपए को तंत्र-मंत्र से 2.5 करोड़ रुपए में बदल दिया जाएगा। जिसे बराबर बांटने की योजना थी। पुलिस ने अब तक 5 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

एक-एक कर कमरे में बुलाया था

रात करीब 11 बजे स्क्रैप यार्ड में तंत्र-मंत्र का कथित अनुष्ठान शुरू हुआ। राजेंद्र कुमार ने तीनों को एक-एक कर अलग कमरे में बुलाया, उन्हें नींबू दिया, जमीन पर रस्सी से घेरा बनाया और कमरे में बंद कर दिया।

उसने कहा कि कमरा 30 मिनट से एक घंटे बाद खोला जाएगा।

तंत्रविद्या कराने के बाद तीनों की मौत

निर्धारित समय के बाद जब कमरे का ताला खोला गया, तो तीनों मृत पड़े मिले। यह देखकर मौजूद लोग घबरा गए और पुलिस को सूचना दी। हालांकि, साथी लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

तांत्रिक राजेंद्र को हिरासत में लिया गया

राजेंद्र के साथ आए बिलासपुर निवासी अश्वनी कुर्रे ने बताया कि अचानक हुई मौतों के बारे में उसे भी कुछ पता नहीं है। उसका दावा है कि तंत्र-मंत्र कराने के बाद तीनों की मौत हो गई, लेकिन यह कैसे हुआ, उसकी उन्हें जानकारी नहीं। इस घटना के बाद से राजेंद्र फरार हो गया था, जिसे हिरासत में लिया गया है।

पत्नी बोली- 5 दिन से पति को परेशान कर रहे थे

मृतक सुरेश साहू की पत्नी गुड़िया देवी ने कहा कि बिलासपुर का संजय साहू पिछले 5 दिन से कुछ करवाने के लिए पैसे के लिए उनके दिमाग में प्रेशर डाल रहा था। घर आकर उनको रात 12 बजे साथ ले गए। पता नहीं कहां खाना खिलाए हैं। 3 बजे आखिरी बार बात हुई उसके बाद से वह फोन नहीं उठा रहे थे।

पुलिस को जहरखुरानी की आशंका

कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि, शुरुआती जांच में जहरखुरानी का शक गहरा रहा है, लेकिन मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, और यार्ड को सील कर दिया गया है।

पुलिस राजेंद्र कुमार और उसकी टीम से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह तंत्र-मंत्र का धोखा था या किसी तरह की साजिश।

5 लोगों को हिरासत में लिया गया

कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि अब तक 5 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामला तंत्र विद्या से जुड़ा हुआ है। फोरेंसिक एक्सपर्ट और अन्य टीम काम कर रही है।

हृदय रोगियों को मिल रहा बड़े शहरों जैसा उपचार एनकेएच में

एक दिन में 4 एंजियोग्राफी व 1 एंजियोप्लास्टी, तुरंत इलाज से घटी लाइफ रिस्क

कोरबा(दिव्य आकाश)।

शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब की सुविधा शुरू होने के बाद से हृदय रोगियों को अब बड़े शहरों की तरह अत्याधुनिक इलाज की सुविधा मिल रही है। इससे मरीजों को रायपुर या बिलासपुर जैसे शहरों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। कम समय में अपने ही शहर में इलाज उपलब्ध होने से कई मरीजों की जीवन रक्षा संभव हो रही है।

ठंड के मौसम में पिछले एक सप्ताह के भीतर हृदय संबंधी परेशानियों के 30 से अधिक मरीज एनकेएच पहुंचे, जिनमें से सभी को तुरंत उपचार शुरू किया गया। कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. एस.एस. मोहंती के नेतृत्व में आवश्यक परीक्षण के बाद 4 मरीजों की एंजियोग्राफी की गई, जिनमें से 1 मरीजों की एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई। अब सभी मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं। रायपुर के सुपर स्पेशलिस्ट डॉ. सतीश सूर्यवंशी, डॉ. एस.एस. मोहंती व डॉ. दीपक कुमार नियमित रूप से एनकेएच में सेवाएं दे रहे हैं। ये विशेषज्ञ हर माह 4 से 6 बार विजिट करते हैं और आपात स्थिति में भी तुरंत पहुंचकर मरीजों का इलाज करते हैं।

एनकेएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि अब कोरबा के मरीजों को बाहर जाने की जरूरत नहीं रही। समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है और त्वरित इलाज मिलने से मरीजों की लाइफ रिस्क में भारी कमी आई है। उन्होंने बताया कि कार्डियोलॉजी विभाग में संचालित यह कैथलैब जिले की पहली ऐसी लैब है, जहां हृदय रोगों से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। अब कोरबा में भी बड़े शहरों जैसी हृदय उपचार सुविधाएं मरीजों को जीवनदान मिल रहा है।

बालको में 'उत्कृष्ट उत्पादन सम्मान' समारोह का आयोजन, 528 कर्मचारी हुए सम्मानित

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में शानदार उत्पादन प्रदर्शन और अनुशासन, उत्पादकता और टीमवर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'उत्कृष्ट उत्पादन सम्मान' समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में कुल 528 बालको कर्मचारियों एवं व्यवसायिक साझेदारों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि में विभिन्न यूनिट्स की अहम भूमिका रही। कार्बन यूनिट से 151, पॉटलाइन-1 से 115, पॉटलाइन-2 से 171 तथा रोल्ड प्रोडक्ट्स (आरपी) से 91 कर्मचारियों एवं साझेदारों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान बालको की विभिन्न इकाइयों ने उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन कर संगठन की उपलब्धियों में उल्लेखनीय योगदान दिया। पॉटलाइन-1 के 115 कर्मचारियों को उत्पादन लक्ष्य, प्रचालन अनुशासन और समन्वयपूर्ण कार्यशैली में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। नेतृत्व टीम ने उनके सतत प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पॉटलाइन-1 ने प्रदर्शन मानकों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं पॉटलाइन-2 से सर्वाधिक 171 कर्मचारियों को गौरवान्वित किया गया, जो उनकी अनुशासित कार्यप्रणाली, उच्च उत्पादन क्षमता और बेहतर समन्वय का स्पष्ट प्रमाण है।

इसके साथ ही कार्बन यूनिट के 151 सदस्यों को उत्पादन, गुणवत्ता और संचालन में निरंतर अनुशासन बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया, जिनके प्रयासों से प्रचालन दक्षता को मजबूती मिली और उत्पादन प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। इसी तरह रोल्ड प्रोडक्ट्स यूनिट से 91 कर्मचारियों को उत्पादन, गुणवत्ता और प्रचालन दक्षता के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मान से नवाज़ा गया।

यह आयोजन बालको की सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और विश्वस्तरीय उत्पादन संस्कृति को दर्शाता है। किसी भी संगठन की असली ताकत कर्मचारी ही होते हैं। उत्कृष्ट उत्पादन उपलब्धियाँ केवल तकनीक का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि इसके पीछे कर्मठ कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, समर्पण और टीम भावना होती है। 'उत्कृष्ट उत्पादन सम्मान समारोह' का उद्देश्य ऐसे ही समर्पित प्रयासों को पहचान देना और कर्मचारियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्डि्ंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com